हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला| अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

5

जबलपुर, सोमवार 25 नवंबर 2024

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

विकसित भारत यंग लीडर डायलॉग कार्यक्रम आज से

मण्डला। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी राष्ट्रीय युवा महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। नेहरू युवा केंद्र मण्डला के जिला युवा अधिकारी आदित्य सिंह एवं ओ एस डी सह कार्यक्रम पर्यवेक्षक सी आर जंघेला ने बताया कि इस बार का युवा महोत्सव बेहद खास और अलग होगा। इस बार की जो थीम है वह काफी नई और यूनिक है। विकसित भारत यंग लीडर डायलॉग की थीम पर आधारित चार स्टेज वाले इस कार्यक्रम का आयोजन होगा। इच्छुक युवा माय भारत पोर्टल के माध्यम से 25 नवंबर से 5 दिसंबर तक शामिल हो सकते है। इस कार्यक्रम में 15 से 29 वर्ष तक के युवा हिस्सा ले सकते हैं। पहले चरण में विकसित भारत की थीम पर ऑनलाइन क्विज कंपटीशन का आयोजन मायभारत पोर्टल पर होगा। इसमें से चुने गए प्रतिभागी दूसरे चरण में ऑनलाइन निबंध लेखन में भाग लेंगे। तीसरे लेवल पर स्टेट चैंपियनशिप भोपाल में और चौथी और आखिरी चरण में नेशनल चैंपियनशिप नई दिल्ली में माननीय प्रधानमंत्री की मुख्य आतिथ्य में आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम का उद्देश्य ज्यादा से ज्यादा युवाओं को अपने देश की संस्कृति, इतिहास और सभ्यता से जोड़ना होगा और साथ ही साथ युवाओं से संवाद कर उनके विचार को प्रमुखता के साथ राष्ट्रीय स्तर पर साझा करना है। विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग का कार्यक्रम राष्ट्रीय युवा महोत्सव के दौरान 11 और 12 जनवरी 2025 को आयोजित होगा। इस दो दिवसीय कार्यक्रम में भारत के माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नई दिल्ली के भारत मंडपम में 3 हजार युवाओं के साथ संवाद करेंगे। इनमें से 1500 प्रतिभागियों का चयन विकसित भारत चैलेंज के माध्यम से माय भारत प्लेटफ़ॉर्म पर किया जाएगा।

प्रभारी कलेक्टर एवं सीईओ जिला पंचायत ने किया सुरेहरी एवं दुलादर में जन स्वास्थ्य शिविर का निरीक्षण

मण्डला। प्रभारी कलेक्टर एवं सीईओ जिला पंचायत श्रेयांश कूमट ने विकासखंड घुघरी के सुरेहरी एवं दुलादर में आयोजित आरोग्यम मंडला जन स्वास्थ्य शिविर का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने निर्देशित किया कि एक सप्ताह में 70 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्तियों का शत प्रतिशत आयुष्मान कार्ड बनाना सुनिश्चित करें। प्रभारी कलेक्टर ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति का इलाज करते हुए उन्हें आवश्यकतानुसार दवाईयों का वितरण करें। उन्होंने ग्रामीणजनों से चर्चा करते हुए सिकलसेल एनीमिया, कुपोषित बच्चों की जाँच सहित 12 तरह की जांचों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी।

छत्तीसगढ़ से आने जाने वाले वाहनों से हो रही अवैध वसूली

जुर्माना दर से अधिक पैसे लेने का आरोप

*** पीड़ित व्यापारी ने मंडी सचिव से की शिकायत।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

इन दिनों मध्यप्रदेश से छत्तीसगढ़ आने जाने वाले ट्रक ड्राइवर सहित व्यापारियों से धड़ल्ले से अवैध वसूली की जा रही है। जहां मण्डला जिले के मोतीमाला, मवई, सिंझौरा, अंजनिया, बिछिया, चारूटोला चैक पोस्ट पर माल वाहनो को रोककर अवैध वसूली की जाती है। ये पैसा सरकारी फीस चुकाने के बाद अलग से लिया जा रहा है। ये आरोप किसी गुंडे बदमाश पर ही नहीं, बल्कि कृषि उपज मंडी बिछिया के उप निरीक्षकों पर लग रहे है।

मिली जानकारी के अनुसार अवैध वसूली का एक अनोखा मामला देखने को मिला जहां बिछिया कृषि उपज मंडी के उप निरीक्षक आकाश ठाकुर और ब्रजेश नामदेव ने छत्तीसगढ़ जा रहे एक मक्का वाहन को रोका और पांच गुना मंडी जुर्माना 53 हजार 836 के साथ 20 हजार रूपए अतिरिक्त शुल्क देने की बात कहीं, व्यापारी ने 20 हजार रुपए अतिरिक्त शुल्क न देने को कहा, और जैसे ही यह मामला मीडिया के सामने आया तो मंडी उप निरीक्षकों ने शासकीय मंडी के रशीद में छेड़छाड़ करते हुए नियम विरुद्ध तरीके से 20 हजार रुपए अतिरिक्त जोड़ दिया गया। जबकि नियामानुसार शासकीय जुर्माना रसीद में छेडख़ानी न करके नया जुर्माना रसीद जारी की जानी थी लेकिन उपनिरीक्षकों ने ऐसा नही किया, उन्होंने अतिरिक्त राशि जोडक़र 73 हजार 836 का जुर्माना रसीद जारी कर दिया।

हैरानी की बात यह है कि इस संबंध में व्यापारी अक्षय साहू ने इसकी शिकायत बिछिया कृषि उपज मंडी सचिव कन्हैया मरकाम से की, तो उपनिरीक्षक आकाश ठाकुर और ब्रजेश नामदेव ने अपने आप को सही साबित करने के लिए फर्जी तरीके से व्यापारी का फर्जी बिल बना दिया गया, जबकि व्यापारी का कहना है कि बिना मेरे हस्ताक्षर हुए ये बिल कैसे हो सकता है। जबकि मेरा बिल 8 लाख 13 हजार 936 रूपए का है, और मंडी सचिव को पेश किया गया कम्प्यूटर से कूट रचित बिल 11 लाख 47 हजार 280 रूपए का बगैर व्यापारी के हस्ताक्षर किया गया बिल की जानकारी मंडी सचिव के दी गई। जबकि व्यापारी का कहना है कि इतनी बड़ी रकम का बिल कैसे हो सकता है। यह पूर्ण रूप से फर्जी है जिसकी उचित जांच कराई जाए।

मक्के की गाड़ी जो कि संतोष इमरत ट्रेडर्स पलारी जिला सिवनी के नाम से थी इसे रोका गया। जिसमें 328.20 क्वींटल मका लोड़ था जिसके वैध दस्तावेज नही पाए गए जिस पर 8 लाख 13 हजार 936 रूपए का माल होने पर पांच गुना जुर्माना लगाया जाना था जिस पर समझौता शुल्क एवं निराश्रित शुल्क मिलाकर 53 हजार 836 रूपए का जुर्माना नियत किया गया था लेकिन संबंधित निरीक्षकों के द्वारा 73 हजार 836 रूपए का जुर्माना लगाने की बात कर राशि ली गई। जिस पर व्यापारी के विरोध के बाद दी गई रशीद में छेड़छाड़ करते हुए ओवर राइटिंग की गई है। वहीं इस पूरे प्रकरण में मजेदार बात यह है कि अवशेष कीमत भी जोड़ी गई है जो कि मंडी अधिनियम के अंतर्गत कहीं पर भी लागू नही है। उप निरीक्षकों के द्वारा अन्य वाहनों से भी अधिक राशि वसूली गई है।

इनका कहना :-

मामला मेरे संज्ञान आया है इस तरह का कृत्य मेरे विधानसभा क्षेत्र में किया जा रहा है मैं कदा ही बर्दाश नही करूंगा। मुझे जानकारी लगी है कि कृषि उपज मंडी बिछिया के संबंधित उपनिरीक्षक आकाश ठाकुर और ब्रजेश नामदेव के द्वारा पांच गुना मंडी जुर्माना के साथ अवैध तरीके से अतिरिक्त पैसा सिवनी के व्यापारी से मांगा गया जो पूर्णतः गलत है। मैं तत्काल उपसंचालक को पत्र लिखकर संबंधित उपनिरीक्षक पर कड़ी कार्यवाही करूवाऊंगा। ऐसे उप निरीक्षक मेरे क्षेत्र में बिल्कुल भी नही होने चाहिए जो व्यापारियो को प्रताड़ित करता हो।

-नारायण सिंह पट्टा, बिछिया विधायक

मेरी गाड़ी मोतीनाला के मंगली के पास रोका गया था जिसमें 28 क्विंटल मक्का लोड था जिसका बिल 8 लाख 13 हजार 936 था जिसका संबंधित उपनिरीक्षकों के द्वारा अनुज्ञा पत्र मांगा गया लेकिन मेरे पास अनुज्ञा पत्र था, जिसका पांच गुना मंडी जुर्माना 53 हजार 836 रूपए लेना था लेकिन मुझसे 73 हजार 836 लिया गया। जिसकी शिकायत मैंने मंडी सचिव से की है साथ उपनिरीक्षकों के द्वारा मेरा फर्जी बिल सचिव को दिखा गया है जिसकी मैं उचित जांच की मांग करता हूं।

-अक्षय साहू, पीड़ित व्यापारी, मैनापिपरिया, पलारी सिवनी

ऐसा नही है ये अवैध वसूली नही है ये वाहनों पर वैधानिक कार्यवाही है जिसका पांच गुना जुर्माना अनुज्ञा पत्र न होने पर लिया जाता है लेकिन एक मामला मेरे संज्ञान में आया है जिसका मेरे पास दो बिल आए हैं एक बिल संबंधित उपनिरीक्षकों के द्वारा दिया गया और दूसरा बिल मैनापिपरिया का व्यापारी ने दिया है। साथ ही पीड़ित व्यापारी ने अपने लेटर पेड में अतिरिक्त 20 हजार रूपए देने और फर्जी बिल की शिकायत की है। मैं एक सप्ताह में दोनो बिल की पुष्टि करते हुए वैधानिक कार्यवाही करूंगा।

-कन्हैया मरकाम, सचिव , कृषि उपज मंडी बिछिया

मैनापिरिया की गाड़ी मैंने ही रोकी थी जिसका मैने वैधानिक कार्यवाही की है। हां मैं मानता हूं कि संबंधित बिल में मैंने ओवर राइटिंग की है चूंकि रात का समय था लेकिन ऐसा नही है कि मैंने कोई अतिरिक्त पैसा नही है जो मंडी जुर्माना है वहीं लिया है अगर किसी प्रकार की अवैध वसूली की जानकारी सामने आ रही है तो मंडी सचिव इसकी जांच करें।

-आकाश ठाकुर, उपनिरीक्षक, कृषि उपज मंडी बिछिया

क्रांति वीरों को नमन करते निकाला गया मशाल जुलूस

*** शहीदों के नाम दीप प्रज्जवलन कर नगरवासियों ने दी श्रद्धांजलि।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

देश के आजादी में हमारे मण्डला जिले के क्रांतिकारियों ने भी कम योगदान नहीं दिया आजादी के लिये एक क्रांति को लोग याद करते हैं वह थी सन् 1857 की क्रांति जिसमें आजादी के लिये हमारे देश के क्रांतिकारियों ने अंग्रेजी सरकार की नींव हिलाकर रख दी थी उस दौरान मण्डला जो कि गौंड़वाना सल्तनत के नाम से जानी जाती थी यहां के क्रांतिवीरों ने भी एक ऐसी क्रांति की तैयारी की थी जो यदि सफल हो जाती तो इस क्षेत्र से अंग्रेजो का नामो-निशान ही मिट जाता लेकिन ऐसा हो नहीं सका और जो भी इस क्रांति मे शामिल थे उन्हें अंग्रेजी सरकार ने मौत की सजा दी और इन क्रांतिकारियों की मौत का प्रत्यक्ष गवाह आज भी मौजूद है नगर के हृदय स्थल जिसे बड़ चौराहा के नाम से जाना जाता है यहां स्थापित बरगद का यह वृक्ष ही जीवंत सबूत है जिसमें कि क्रांतिकारियों को फांसी दी गई थी इन्हीं अनजान क्रांतिकारियों के सम्मान एवं उनके बलिदान को याद करते हुये नगर के सभी वर्ग के लोगों ने एक मशाल जुलूस निकाला और बड़ चौराहा पहुंचकर वहां दीप प्रज्जवलन कर इन्हें सादर श्रद्धाजंलि दी। इस अवसर पर प्रदेश की केबिनेट मंत्री सम्पतिया उइके ने इन अनजान क्रांतिकारियों की पहचान किये जाने का शासन स्तर पर प्रयास करने को कहा और अगले वर्ष इस कार्यक्रम को और भी भव्यता से करने की बात कही।

फिर लग रही है बीच रोड में सब्जी दुकान है

नारायणगंज। जनपद पंचायत नारायणगंज के अंतर्गत बस स्टैंड से मुख मार्ग में बीच रोड में सब्जी की दुकान है लग रही हैं बिगत दिनौ 181 लगाने के बाद भी शासन प्रशासन का ध्यान इस और नहीं जा रहा है पालतू जानवर से आए दिन हादसे हो रहे हैं जिसमें आम नागरिको परेशानी का सामना करना पड़ रहा है पंचायत द्वारा बार-बार सब्जी ठेले वालों को नोटिस एवं मौखिक बोल रही है परंतु सब्जी वालों की गुंडागर्दी के कारण शासन प्रशासन भी नतमस्तक हो गई है लगातार समाचार प्रकाशित होने के बाद भी सब्जी वाले बीच रोड में अपने ठेले लगाकर बेच रहे हैं एवं कुछ ठेले वाले बस स्टैंड एवं जनपद जाने वाले रास्ते में भी लग रहे हैं अतः जिला कलेक्टर महोदय से एवं संबंधित अधिकारी से निवेदन है इन सब्जी ठेले वालों के ऊपर सख्त कार्रवाई करें जिससे होने वाली दुर्घटनाएं से बचा जा सके।

पदमी में श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन

मण्डला। पदमी में रविवार से श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन 24 नवम्बर से 1 दिसम्बर तक चलेगा। कथा के पहले दिन कथा स्थल पानी टंकी के पास, पदमी से भव्य कलश शोभायात्रा निकाली गई। जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। बाजे-गाजे के साथ यह कलश शोभायात्रा विभिन्न मार्गों से होते हुए कथा स्थल पर पहुंची। बताया गया कि इस आयोजन में पं. संतोष शास्त्री पदमी वाले द्वारा संगीतमयी भागवत कथा सुनाई जाएगी। प्रतिदिन सुबह 7 बजे से 11 बजे तक संस्कृत पाठ बाद दोपहर 1 बजे 5 बजे तक संगीतमयी कथा सुनाई जाएगी। आयोजकों ने अधिक से अधिक संख्या में इस आयोजन में शामिल होकर धर्मलाभ लेने की अपील की है।

मांग रायपुर, नागपुर, अमरकंटक एवं जबलपुर मार्ग के लिये सबसे उपयुक्त स्थान।

खड़देवरी बाईपास में बनाया जाये नवीन बस स्टैण्ड

*** शासकीय भूमि का बड़ा रकबा मौजूद।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

युवा चितंक, महाकौशल विकास के कार्यकर्ता गौरव सिंह ठाकुर निवासी खड़देवरा, पदमी चौराहा एवं समाजसेवी कन्हैया ठाकुर पत्रकार द्वारा द्वारा जारी विज्ञप्ति में शासकीय बस स्टेण्ड की स्थापना को लेकर प्रशासन के समक्ष अपने दृष्टिकोंण को निम्नानुसार प्रस्तुत किया गया है। जिला मुख्यालय में स्थित शासकीय बस स्टैण्ड मण्डला (क्षेत्र लगभग 01 हेक्टे.) यातायात समस्या से ग्रसित होने पर विस्थापन हेतु जिला प्रशासन द्वारा, अनेक स्थलों पर बस स्टैण्ड स्थापना पर विचार किया जा रहा है। मण्डला जिले की मुख्य नदी नर्मदा में पिछले दशकों में झूला पुल, पीपरपानी पुल, बंजरपुल (निर्माणाधीन) का विकास होने पर, मण्डला के दक्षिणोत्तर में स्थित प्लानिंग एरिया के ग्रामों का सीधा संबंध शहर से हो गया है। हाल ही में सैंकड़ों ग्रामीणों की मांग पर जिला मुख्यालय से लगभग 05 कि.मी. की दूरी पर नेशनल हाईवे क्रमांक 30. अवंति बायपास ग्राम खड़देवरी पीपरपानी पर स्थित, शासकीय भूमि, (लगभग क्षेत्रफल 2.89 हेक्टेयर ग्राम सेवा भूमि) पर बस स्टैण्ड का निर्माण प्रशासन के समक्ष विचारणीय है। शहरी क्षेत्र के विस्तार अंतर्गत मण्डला शहर, दक्षिण-पश्चिम से तीन ओर नर्मदा नंदी से घिरा हुआ क्षेत्र है, जिसके कारण पिछले कई वर्षो तक मण्डला शहर का फैलाव उत्तर की ओर जबलपुर रोड में हुआ है, इन क्षेत्रों के अंतर्गत ग्राम बिछिया, लालीपुर, कटरा, बिनैका आदि स्थित है। पुराने शहर में फतेह दरवाजा से मुख्य बाजार सराफा, बुधवारी का फैलाव नर्मदा नदी से सीमित होने के कारण दक्षिण पार शहर का फैलाव पूर्णतः रूक गया था। नर्मदा तट पर बने किला घाट, बैद्यघाट एवं रंगरेज घाटों द्वारा आवागमन का साधन सिर्फ बडी नौकाओं द्वारा हुआ करता था। नर्मदा नदी में विगत वर्षो में लगातार 03 बड़े पुल निर्माण से, नदी पार लगे प्लानिंग एरिया के क्षेत्र रामबाग, पुरवा पीपरपानी, सूरजकुंड खड़देवरी ग्रामों का सीधा जुड़ाव, शहर के पुराने मुख्य बाजार बुधवारी, जिला मुख्यालय, एवं महराजपुर (रेल्वे स्टेशन) से हो गया है जिस कारण इन क्षेत्रों में शहरीकरण तीव्र गति से हो रहा है। मुख्य कार्यालय गंतव्य व्यवस्था में उपरोक्त विचारित स्थल से जिला मुख्यालय, जिला न्यायालय, चिकित्सालय, उत्कृष्ट विद्यालय, रेल्वे स्टेशन महराजपुर, रा.दु.महाविद्यालय, निर्माणाधीन मेडिकल कॉलेज, लॉ कालेज, आईटीआई, कृषि मंडी इत्यादि कार्यस्थल, सरल मार्गो से 7-8 कि.मी. की दूरी पर सुगमतापूर्ण पहुंच पर है। विचारित स्थल, कान्हा राष्ट्रीय उद्यान का खटिया गेट (नागपुर रोड) एवं सरही गेट (रायपुर रोड) लगभग 35 कि.मी., रामनगर मोतीमहल-15 कि.मी., काला पहाड-05 कि.मी., चौगान एवं रानीमहल-16 कि.मी., नर्मदा-बंजर संगम घाट महराजपुर-04 कि.मी., सिद्ध घाट बैनगंगा नदी-35 कि.मी. इत्यादि दर्शनीय एवं ऐतिहासिक स्थलो का केन्द्र बिन्दु है। यह स्थल खुजराहो-बांधवगढ़-चित्र कूट-अमरकंटक-कान्हा नेशनल पार्क पर्यटन लिंक रोड से मात्र 01 कि.मी. की दूरी पर है। यातायात व्यवस्था के अंतर्गत यह स्थल, जबलपुर, रायपुर, नागपुर, बालाघाट, लखनादौन, डिण्डौरी बिलासपुर सिवनी, घंसौर का जंक्शन है, इन शहरों से आने वाले सभी प्रकार के हल्के, भारी वाहनों का आवागमन, मुख्य शहर के अंदर प्रवेश किये बिना अन्यत्र दिशाओं में सुचारू रूप से संभव हो पावेगा। मंडला शहर का विकास एवं आगामी 25 वर्षो के रोडमेप के दृष्टिगत, व्यापक लोकहित में जन आकांक्षाओ के अनुरूप रविचारित स्थल, नेशनल हाईवे क्रमांक 30, अवंति बायपास खड़देवरीर को शासकीय बस स्टैण्ड के रूप में स्थापित करना अति महत्वपूर्ण है।

भाजपा के शक्ति केंद्रों में एकत्रित होकर सुनी मन की बात, बूथ अध्यक्षों का किया अभिनंदन

*** भाजपा की बूथ इकाई को सर्व= स्पर्शी, सर्वव्यापी बनाना हमारा लक्ष्य।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

भारतीय जनता पार्टी द्वारा चलाए जा रहे संगठन पर्व के तहत जिले के शक्ति केंद्रों में भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी जनप्रतिनिधियों कार्यकर्ताओं ने मन की बात सुनी और 945 बूथों पर भारतीय जनता पार्टी के नवनिर्वाचित बूथ अध्यक्षों का अभिनंदन करते हुए उन्हें पदभार ग्रहण कराया गया। जिला मीडिया प्रभारी सुधीर कसार ने बताया कि मण्डला सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते, कैबिनेट मंत्री श्रीमती संपतिया उइके जिला अध्यक्ष श्री भीष्म द्विवेदी सहित जिला पदाधिकारी मंडल अध्यक्ष गण सहित अन्य पदाधिकारी शक्ति केंद्र में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की मन की बात कार्यक्रम को सामूहिक रूप से सभी ने सुना तथा नवनिर्वाचित बूथ अध्यक्षों का अभिनंदन कर बूथ की टीम का स्वागत किया गया।

इस अवसर पर निवास विधान सभा के बबलिया मंडल के शक्ति केंद्र के कार्यक्रम में सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते ने कहा भारतीय जनता पार्टी संगठन का मूल उद्देश्य भाजपा की सबसे महत्वपूर्ण बूथ इकाई को मजबूत करना तथा उसकी टीम को भारतीय जनता पार्टी के होने वाले सभी कार्यक्रमों में सीधे तौर से जोड़ना तथा संगठनात्मक कार्यक्रम के तहत भारतीय जनता पार्टी के संगठन को विस्तार देने का कार्य करने के लिए सक्षम बनाना भाजपा की टीम का मूल काम है। बूथ जीता चुनाव जीता इस मूल मंत्र को आगे और अधिक मजबूत बनाकर कार्य करने के लिए भारतीय जनता पार्टी की अपनी एक रणनीति है, जिसे हम निरंतर आगे बढ़ाएंगे इस रणनीति में मंडल के शक्ति केंद्र बूथ समिति सबसे महत्वपूर्ण कार्य करने वाली इकाई रहेगी। मण्डला नगर शक्ति केंद्र में कैबिनेट मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने कहा कि जिले के सभी मंडलों की शक्ति केदो में बूथ समिति का गठन निष्पक्ष रूप से समय सीमा में किया गया उन्होंने नवनिर्वाचित बूथ अध्यक्षों को बधाई देते हुए कहा कि हमारे बूथ समिति का संगठन सर्वस्पर्शी व सर्वव्यापी बनकर संगठन के विस्तार व समाज के हित ओर विकास के लिए काम करे ऐसी अपेक्षा है। भाजपा जिला अध्यक्ष भीष्म द्विवेदी ने नवनिर्वाचित बूथ अध्यक्षों का गर्व जोशी के साथ स्वागत किया, उन्होंने कहा बूथ समिति के अध्यक्षों का अभिनंदन करते हुए जिला भाजपा की पूरी टीम गौरवान्वित है, क्योंकि बूथ समिति भारतीय जनता पार्टी का मूल आधार है, आने वाले समय में भारतीय जनता पार्टी के संगठन विस्तार में बूथ समितियां की सबसे महत्वपूर्ण जिम्मेदारी होगी। प्रदेश संगठन की मंशा है कि मंडलों की तरह अब हम बूथ इकाई सशक्त करेंगे। श्री द्विवेदी ने संगठन पर्व पर प्राथमिक सदस्य सक्रिय सदस्य बूथ समिति के गठन में लगे सभी कार्यकर्ताओं पदाधिकारी जनप्रतिनिधियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

खबर संक्षेप

साई भक्तों ने मनाया गया श्री सत्य साई बाबा का जन्मोत्सव

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। मानव सेवा ही माधव सेवा की राह पर चलने का संदेश देने वाले श्री सत्य साईबाबा का जन्मोत्सव बीते हुये साईभक्तों द्वारा मानव सेवा के साथ मनाया गया। इस मौके पर बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति भी दी गई। बताया जाता है कि स्थानीय श्री सत्य साई सेवा समिति द्वारा शनिवार को बाबा के जन्मोत्सव के अवसर पर सुबह 4:40 बजे से दिव्य संगीत की धुन 5:06 बजे भाई प्रगट कृपाला आतिशबाजी का आयोजन किया गया। वही नगर संकीर्तन, ध्वजारोहण के साथ आरती का आयोजन करते हुये इसके बाद लक्ष्य अर्चना आरती की गई। वही शाम के समय संध्या को वेद पाठ भजन बाल विकास के नन्हे मुन्ने बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम की अद्भुत प्रस्तुति दी गई। इस दौरान समिति का वार्षिक प्रतिवेदन समिति संयोजक द्वारा प्रस्तुत किया गया। इस मौके पर अनेक लोग मौजूद थें।

बेलगाम गति से दौड़ रहे डम्फर ने झिकोली सांईखेड़ा मार्ग पर ली युवक की जान

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा। क्षेत्र की सड़को पर बेलगाम गति से एनटीपीसी की राख सहित रेल लेकर दौड़ने वाली भारी भरकम डम्फर की गति पर अंकुश नही लगने का परिणाम है कि क्षेत्र के लोगों की जिन्दगी के समाने मौत का सायरन बजने से नही चूक पा रहा है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते हुये रविवार को उस समय देखने मिली जब समीपस्थ झिकोली के पास एक तेजगति से भाग रहे डम्फर द्वारा युवक को मौत के घाट उतार दिया गया। बताया जाता है कि रविवार को शाम चार बजे के लगभग जब समीपस्थ ग्राम उदयपुरा निवासी एक युवक अपने किसी काम से कही जा रहा था उसी दौरान 22 चाक वाले डम्फर क्रमांक HR 84/5666 के चालक द्वारा तेज गति व लापरवाही पूर्वक अपने डम्फर को चलाते हुये युवक को कुचल दिये जाने के कारण जहां युवक की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। समाचार लिखे जाने तक युवक की पूर्णरूप से पहुंचान नही हो पाई थी कि जिसके चलते सांईखेड़ा पुलिस द्वारा लावारिस स्थिति में मृतक के शव का पंचनामा बनाते हुये मर्ग कायम कर मामले को जांच को जांच में लिया गया है। वही मृतक के शव की पहचान किये जाने के प्रयास किये जा रहे है। वही घटना को अंजाम देने वाले डम्फर को पुलिस द्वारा अपनी हिरासत में ले लिया गया है।

ट्रेन से गिरकर हुई युवक की मौत

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। ट्रेन में यात्रा करने के दौरान जरा सी चूक निश्चित तौर से जिन्दगी को खतरे में डालने से नही चूकती है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते हुये दिवस गोटेगांव के पास उस समय देखने मिली जब एक युवक की ट्रेन से गिरजाने के कारण मौत हो गई। घटना के संबंध में बताया जाता है कि गाडरवारा तहसील क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम घघरौला पटना निवासी सुमित उर्फ भूरा कौरव पिता भागचंद कौरव जबलपुर किसी निजी संस्थान में कार्य करता था जिसके चलते वह ट्रेन के माध्यम से आना जाना करता था। इसी के चलते बीते हुये शनिवार को जब सुमित अपने घर यानि की जबलपुर से घघरौला के लिये किसी ट्रेन से आते वक्त अचानक गोटेगांव के पास ट्रेन के नीचे गिर जाने के कारण गंभीर रूप से घायल होने के चलते युवक की मौके पर ही मौत हो गई। इस तरह घटित हुई घटना के चलते संपूर्ण क्षेत्र में शोक का महौल दिखाई देने से नही चूक पाया।

बैगर समितियों के चल रहे नहर विभाग के अधिकारियों की मनमानी के चलते नहीं मिल रहा किसानों को लाभ, करोड़ों की लागत से निर्मित हुई क्षेत्र की नहरें साबित हो रही औचित्व विहीन

हरिभूमि न्यूज/खुलरी।

शासन द्वारा चलाये जाने वाली किसी योजना का यदि समय पर किसानों को लाभ मिले तभी उस योजना का महत्व होता है और यदि उस योजना का किसानों को लाभ मिलने की जगह मात्र दिखाबा साबित हो तो निश्चित ही उस योजना का औचित्य ही समाप्त होने से नही चूकता है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय क्षेत्र में बनी हुई नहरों को देखते हुये जान पड़ रहा है? जिस प्रकार से शासन द्वारा क्षेत्र में किसानों की भूमि का अधिग्रहण करने के साथ साथ करोड़ो की राशि खर्च करते हुये क्षेत्र में नहरों का निर्माण कराया गया था तो क्षेत्र के किसानों में इस बात की खुशी देखने मिल रही थी कि अब उन्हें अपने खेतों में सिंचाई करने के लिये पानी की समस्या से नही जूझना पड़ेगा। मगर क्षेत्र के किसानों की यह सोच मात्र एक सपना साबित होने से इसलिये नही चूक पा रही है । क्योंकि जब किसानों को अपनी फसलों की सिंचाई करने का समय आता है तो बरगी नहर प्रबंधन द्वारा नहरों में पानी ही नही छोड़ा जाता है, जिसके चलते करोड़ो की राशि से बनी हुई क्षेत्र की यह नहरे जहां अनुपयोगी साबित होने से नही चूक पा रही है? वही दूसरी ओर यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो इन नहरों के संचालन को लेकर शासन द्वारा समितियों का गठन निर्वाचन प्रकिया के तहत पूर्ण किया जाता है, जिसके चलते पूर्व में गठित समितियों का कार्यकाल पूर्ण हो जाने के कारण इस समय क्षेत्र की नहर व्यवस्था अधिकारियों के भरोसे चलने के कारण अधिकारी पूर्णरूप से मनमानी पूर्ण रवैया अपनाते हुये देखे जा रहे है और इसी का परिणाम है कि किसानों को क्षेत्र में बनी इन नहरों का किसी भी प्रकार का कोई लाभ मिलते हुये दिखाई नही पड़ रहा है। यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो इस समय किसानों द्वारा अपने खेतों में चना, गेहू सहित अन्य फसलों की बुआई करने के साथ साथ जिन किसानों द्वारा नया गन्ना रोपित करना था और कुछ किसानों द्वारा कर भी दिया गया है। वही दूसरी ओर अपने खेतों में बोनी कर चुके किसानों को उन फसलों में सिंचाई करना बहुत जरूरी हो चुका है। मगर नहर विभाग द्वारा नहरों में पानी नही छोड़े जाने के कारण किसानों के लिये क्षेत्र में बनी हुई नहरे जहां मात्र शोभा की सुपानी बनने के साथ साथ नहरों का निर्माण औचित्य विहीन बन चुका है। यदि क्षेत्र के किसानों की सच्चाई पर गौर किया जावे तो वह किसी भी प्रकार से अपने खेतों में लगी हुई फसलों की सिंचाई नलकूपों के माध्यम से करते हुये देखे जा रहे है। मगर उन्हें पर्याप्त मात्रा में बिजली नही मिल पाने के कारण किसान अपनी फसलों को लेकर चिंता में नजर आ रहे है। जहां पर बिजली विभाग द्वारा बिजली तो प्रदान की जा रही है, मगर देर रात सिंचाई के लिये बिजली देने के कारण किसानों को रात रात भर खेतों में समय व्यतीत करने की मजबूर होना पड़ा रहा है तो दूसरी ओर उसी दौरान बिजली लाईनों में यदि कोई खराबी आ जाती है तो उसके सुधार में कई दिनों तक किसानों की सिंचाई बंद रहने से नही चूक पाती है? वही दूसरी ओर यदि देखा जावे तो इस समय ग्रामीण क्षेत्रों में जंगली सुअरों का आंतक होने के कारण किसान रात के समय खेतों में सिंचाई करने को लेकर दहशत भी देखे जा रहे है। मगर इसके बाद भी नहर विभाग कुंभकर्णी निंद्रा में सोया पड़ा हुआ दिखाई देने से नही चूक पा रहा है? यदि किसानों की सच्चाई पर गौर किया जावे तो न तो किसानों को मौसम साथ दे रहा है और नही नहर विभाग के अधिकारी, इस समय नवंबर माह बीतने को है जिसमें किसानों के लिये अच्छी ठंड पड़ने की संभावना थी, मगर अभी तक मात्र तीन दिन ठंड पड़ने के उपरांत फसलों के हिसाब से ठंड नही पड़ने के कारण किसानों के खेतों की स्थिति इस प्रकार से देखने मिल रही है कि खेतों से फसल सही रूप से निकल ही नही पा रही है, जिसके चलते क्षेत्र के किसान किसी भी प्रकार से अपनी फसलों को सिंचाई के भरोसे बचाते हुये देखे जा रहे है। मगर सिंचाई के लिये पर्याप्त बिजली नही मिलने से जहां क्षेत्र के किसान परेशान होते हुये देखे जा रहे है। इस स्थिति में यदि इन नहरों में पानी छोड़ दिया जावे तो जहां किसानों की फसलों को पानी के रूप में नई जान मिल सकती है। वह दूसरी ओर जमीन के गिरते हुये जल स्तर में भी सुधार आ सकता है, इस स्थिति में क्षेत्र में बनी हुई करोड़ो की लागत की नहरे क्षेत्र के किसानों के लिये औचित्य औचित्व पूर्ण साबित हो सकती है। मगर इस ओर न तो नहर विभाग द्वारा किसी भी तरह से ध्यान दिया जा रहा है और न ही क्षेत्र के जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा जिसके चलते जहां करोड़ो की लागत से बनी हुई नहर मात्र शोभा की सुपरी बनकर रहे गयी है। वही दूसरी ओर क्षेत्र में बनाई गई नहरों के निर्माण में अपनाई गई गुणवत्ता की सच्चाई पर गौर किया जावे तो निश्चित ही विभाग की उदासीनता के चलते जिस प्रकार से निर्माण कार्य करने वाली कंपनी द्वारा इन नहरों का निर्माण कार्य किया गया है उसके चलते लगातार टूटते हुये दिखाई दे रही है, जिससे क्षेत्र की नहरे अपने निर्माण में अपनाई गई गुणवत्ता की कहानी उजागर करने के साथ साथ उन अधिकारियों की कार्य प्रणाली को भी उजागर करने से नही चूक रही है जिनकी देख रेख में इन नहरों का निर्माण कार्य पूर्ण कराया गया था? जिस सोच के चलते शासन द्वारा नहरों के निर्माण के लिये क्षेत्र के सैकड़ो किसानों की भूमि अतिग्रहण करते हुये करोड़ो की राशि खर्च कर क्षेत्र में नहरों का निर्माण कराया गया है। मगर इस समय क्षेत्र के किसानों को जरूर पड़ने पर पानी नही छोड़े जाने के कारण क्षेत्र के किसानों के लिये यह नहरे अनुपयोगी साबित होते हुये दिखाई देने लगी है, क्योंकि जरूरत के समय यदि किसानों को इन नेहरों का लाभ नही मिल पा रहा है तो फिर क्षेत्र में इन नेहरों के बनाये जाने का महत्व अपने आप ही समाप्त हो जाता है। इस सच्चाई को ध्यान में रखते हुये क्षेत्र के किसानों द्वारा जिला कलेक्टर से मांग की गई है कि शीघ्रता से ही गाडरवारा तहसील क्षेत्र की नहरों की सफाई कराते हुये उनमें पानी छोड़ने के लिये संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देशित करते हुये किसानों को इस परेशानी की घटी में सहायता प्रदान कराई जावे जिससे किसान अपनी फसलों को बचाने में सफल हो सके।

ककराघाट नर्मदा स्नान के लिये पहुंचने वाले भक्तों को प्रदान की गई जरूरी

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। माँ नर्मदाजी की क्षेत्रवासियों पर इस तरह की कृपा है कि वह पूर्णिमा हो या फिर अमावस्या सहित अन्य अवसरों पर देखा जाता है कि नर्मदा तटों पर स्नान करने वाले भक्तों की भीड़ उमड़ने से नही चूकती है। इस तरह पुण्य सलीला माँ नर्मदा के पावन क्षेत्र ककरा घाट के सीढ़ी घाट पर श्रद्धालुओं के लिए आवश्यक सुविधाएँ न होने से उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ता है। मुख्य रूप से महिलाओं द्वारा स्नान के बाद अपने कपड़े बदलने के लिये अधिक परेशान होते हुये देखा जाता था। इस तरह श्रद्धालुओं की परेशानी को दूर करने के लिए अब जागरूक नगरवासी निस्वार्थ भाव से मदद के लिए सामने आने लगे हे। कुछ इसी प्रकार से रविवार को माँ नर्मदाजी के ककराघाट मे उस समय देखने को मिला जब नगर के युवा जुगल किशोर कौरव ने अपने पिता स्व साहबलाल कौरव की पुण्य स्मृति मे सीढ़ी घाट पर कपडे बदलने के लिए लोहे का चेनजिंग रूम एवं कचरा एकत्रित करने के लिए 2 लोहे के डस्टबिन स्थापित कराये। इस अवसर पर कौरव ने बताया कि देखा जाता था कि माँ नर्मदाजी के ककरा घाट मे प्रत्येक पूर्णिमा एवं अमावस्या पर हजारों धर्म प्रेमी श्रद्धालु स्नान एवं पूजन के लिए पहुंचते है। लेकिन यहाँ महिला भक्तों के लिये कपड़े बदलने के लिए चेनजिंग रूम न होने से महिलाओ को काफी परेशानी होती थी एवं डस्टबिन न होने से लोग यहाँ वहां कचरे को फेंकते थे। अब चैनजिंग रूम एवं 2 डस्टबिन यहाँ स्थापित होने से श्रद्धांलुओं को इन परेशानियों से निजात मिलेगी। इस मौके पर कौरव के साथ शिक्षक मधुसूदन पटैल, सिद्धार्थ राजपूत, सजल राजपूत, हर्ष शर्मा, रोहित सोनी, भागवेंद्र शर्मा, अजय वर्मा, अमित सोनी, ओम सोनी, राजेश विश्वकर्मा सहित अन्य लोग मौजूद थें जिन्होंने इस सामग्री को नर्मदाजी के तट पर स्थापित करने में अपना सहयोग प्रदान किया गया।

मंडी सचिव की मनमानी के चलते जिला कलेक्टर द्वारा किया गया निलंबित, शेष कर्मचारियों को अभयदान बना चर्चा का विषय..?

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

स्थानीय जवाहन कृषिमंडी की जहां संपूर्ण जिले में एक अलग पहचान होने का परिणाम है कि दूर दूर से किसान यहां पर अनाज अनाज विक्रय करने के लिये आने से नही चूकते थें। मगर बीते हुये कुछ सालों से देखा जा रहा है कि मंडी में पदस्थ अधिकारियों व कर्मचारियों की कार्य प्रणाली के चलते जहां मंडी की साख को बट्टा लगने से नही चूक रहा है तो दूसरी ओर मंडी कार्यालय में आये दिन होने वाली शराब खोरी सहित कर्मचारियों द्वारा नशें में धुत्त होकर अपने दायित्वों का निर्वाहन करते हुये किसानों के साथ जी जाने वाली अभद्रता का परिणाम है कि लोग गाडरवारा मंडी की जगह अन्य दूसरी मंडियों में अपना अनाज विक्रय करने के लिये ले जाने से नही चूक रहे है। वही दूसरी ओर अधिकारियों व कर्मचारियों की कार्य गुजारियों के चलते गाडरवारा मंडी सदा ही अखबारों की खबरों के चलते चर्चा का विषय बनने से नही चूक पा रही है? कुछ इसी प्रकार से इस समय जवाहर कृषि मंडी में पदस्थ सचिव की कार्य प्रणाली के चलते जहां अपना अनाज विक्रय करने के लिये आने वाले किसानों को परेशानियों का सामना करने के लिये मजबूर होते हुये देखा जा रहा है। इस बात की सच्चाई बीते हुये सोमवार यानि की 18 नवंबर को उस समय देखने मिली थी जब अपनी धान विक्रय करने के लिये पहुंचे हुये किसानों द्वारा मंडी सचिव पर मनमानी का आरोप लगाते हुये मंडी के सामने मुख्य मार्ग पर आक्रोशित होकर चकाजाम कर दिया गया था। इस तरह मंडी सचिव की मनमानी के चलते आये दिन हो रही शिकायतों के चलते जिला कलेक्टर द्वारा मंडी सचिव को निलंबित करने का आदेश दिया गया है। जिला कलेक्टर द्वारा बीते हुये 18 नबंवर को जारी किये गये आदेश में उल्लेखित किया गया है कि अनुविभागीय अधिकारी राजस्व गाडरवारा के पत्र क्रमांक /1860/प्रवा 2/अ वि अ/2024 गाडरवारा दिनांक 08.11.2024 के द्वारा प्रतिवेदित किया गया है कि ओम प्रकाश इमने सचिव जवाहर कृषि उपज मंडी गाडरवारा विगत 18 दिनों से बिना सक्षम अधिकारी की अनुमति व बिना सूचना के अनुपस्थित है। पूर्व में भी बिना सूचना दिये अनुपस्थित रहते है। जबकि वर्तमान में धान एवं सोयाबीन का उपार्जन व क्रय विक्रय किया जा रहा है। इस तरह मंडी सचिव इमने को कई बार कारण बताओं नोटिस जारी किया गया है। किन्तु उनके द्वारा कोई समाधानकारक जबाव प्रस्तुत नही किया गया है। मंडी कार्यालय से पृथक किये जाने हेतु प्रस्तावित किया गया है। वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा दिये गये आदेशों व निर्देशों की अव्हेलना तथा अपने कर्तव्यों में अरूचि प्रकट करती है। इमने मंडी सचिव का उक्त कृत्य वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा दिये गये आदेश व निर्देशों की अव्हेलना तथा अपने कर्तव्यों के प्रति लापरवाही उदासीनता एवं स्वेच्छाचारिता का द्योतक है। उपरोक्त तथ्यों के आधार पर ओम प्रकाश इमने सचिव जवाहर कृषि उपज मंडी गाडरवारा का उक्त कृत्य म प्र सिविल सेवा आचरण के प्रतिकूल पाये के कारण तत्काल प्रभाव से निलंबित किया जाकर मुख्यालय अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय गाडरवारा नियत किया जाता है। इस तरह जिला कलेक्टर द्वारा मंडी सचिव को निलंबित करने के आदेश जारी किये गये है। ज्ञात हो कि इसके पहले गाडरवारा अनुविभागीय अधिकारी द्वारा सचिव की कार्य प्रणाली की प्रमाणिकता से पूर्ण शराब के नशे में किसानों से अभद्रता किये जाने का सोशल मीडिया पर विडियों वायरल होने पर 5 नबंबर 2024 को नोटिस जारी किया गया था। इस तरह अनुविभागीय अधिकारी द्वारा जारी किये गये नोटिस में मंडी सचिव ओम प्रकाश इमने सहित प्रकाश दुबे सहायक उप निरीक्षक, हेमराज पाठक स्थाईकर्मी का नाम भी शामिल था। वही अनुविभागीय अधिकारी द्वारा उपरोक्त तीनों नाम वाले पत्र में उल्लेख किया गया था कि आप नशे की हाल में किसानों से अभद्र व्यवहार कर अवैध रूप से बसूली किये जाने का वीडियों न्यूज पर प्रसारित हो रही है। उक्त विडियों में आप नशे की हालत में किसानों से अभद्र व्यवहार करते हुये स्पष्ट रूप से दर्शित हो रहे है। पूर्व में भी कई बार कृषको द्वारा आपके विरूद्ध इस तरह के कृत्यों की शिकायते की गई थी। इस तरह अनुविभागीय अधिकारी द्वारा जारी किये नोटिस में मंडी सचिव सहित कर्मचारियों के भी नाम शामिल देखे जा रहे थें। जिससे यह बात उजागर हो रही थी कि मंडी सचिव सहित मंडी के अन्य कर्मचारी शराब के नशे में अपनी ड्यूटी करते है तथा किसानों से अवैध बसूली करने से भी नही चूकते है। मगर जिला कलेक्टर द्वारा सिर्फ मंडी सचिव के खिलाफ कार्यवाही करते हुये निलंबित किया गया है। इस तरह अन्य शेष कर्मचारियों को अभयदान प्रदान होने से मंडी कार्यालय में सुधार की उम्मीद करना बेमानी साबित होने से नही चूक पायेगा? इसी बात को लेकर क्षेत्र के किसानों द्वारा बीते हुये 5 नबम्बर को जारी किये गये नोटिस में मंडी सचिव सहित अन्य जिन कर्मचारियों के नाम से नोटिस जारी किया गया था उनके खिलाफ भी कार्यवाही की अपेक्षा जताई जा रही है।

जिस जीवन में राम नहीं वह काया है किस काम की- पं. वीरेन्द्र शास्त्री

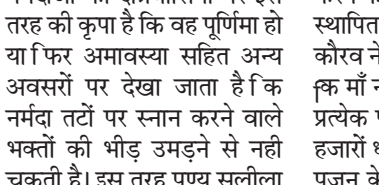

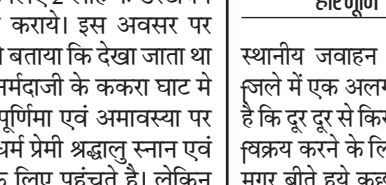

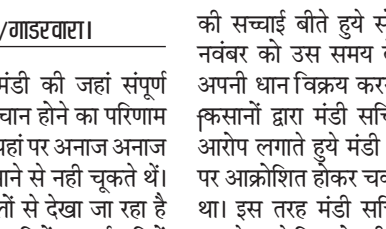

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। समीपस्थ ग्राम कान्हगांव स्थित साई धामं मंदिर समिति द्वारा 7 दिवसीय संगीतमय श्री राम कथा के अयोध्या कांड कथा का आयोजन किया जा रहा है।।जिसके पाचंवा दिवस कथा व्यास पंडित बीरेन्द्र जी शास्त्री महाराज ने बताया कि जिस जीवन में राम नहीं है तो वह काया किस काम कि है। यदि मानव जीवन धारण करते हुये भगवान श्रीराम का नाम नही ले पा रहे हो तो इस मानव जीवन को पाने का कोई महत्व ही नही रह जाता है। क्योंकि मानव जीवन क नैया पार सिर्फ भगवान श्रीराम की भक्ति के भरोसे ही पार लग पाना संभव है। रामचरितमानस कि शरण जो आ जाता है उसे सभी वेद पुराण अपनी शरण में ले लेते है। क्योंकि राम के चरणों में अनुराग नहीं हैं तो आप कितनी भी पूजा पाठ क्यों ना कर लें कोई मतलब नहीं। रूपया पैसा के बल पर हर वस्तु खरीदी जा सकती है मगर भगवान को नही भगवान श्रीराम तो तभी मिलेगे जब सच्चे मन से उनकी आराधना करना होगी..। इसलिएं भगवान श्री राम के चरणों में अनुराग होना बहुत जरूरी है। राम जी का चरित्र सिखाता है कि जीवन में परमार्थ का होना बहुत जरूरी है।। क्योकिं राम जी ने जीवन भर अपने जीवन में परमार्थ ही किया है। इसलिएं जो परमार्थ करता है वह अपने जीवन में सफलता जरूर पाता है। जीवन से अगर धर्म चला गया तों धन फिर धन किसी काम का नहीं रहता। इसलिएं जीवन में धर्म का रहना वहुत जरूरी है।। अक्सर देखा जाता है कि लोगो के पास जब धन एकत्र हो जाता है तो उसके बल पर वह आसमान छूने लगते है। भैया आपके पास धन है आसमान छूने में बुराई नही है मगर उस धन का सही उपयोग करना चाहिये। क्योंकि यह धन सदा ही चलाये मान होता है। हम देखते है कि जो लोग सड़क पर दो रोटी मांग रहे होते है और यदि भगवान की कृपा हो जावे तो वह रातो रात धनवान बनने से नही चूकता है और जो धनवान होता है उसे कंगाल होने में भी देर नही लगती है। यदि आपके पास माँ लक्ष्मी की कृपा हुई है तो माँ लक्ष्मी के आर्शीवाद को संभालते हुये अच्छे कार्यो में लगाओ। लोगों को अक्सर देखा जाता है कि वह छोटे छोटे आयोजन करने के नाम पर लाखों रूपया खर्च कर देते है। आयोजनों में अनेक प्रकार के पकवान बनवाते है। मगर लोगों द्वारा खाते वक्त प्लेटों को इस तरह भर लिया जाता है कि उसे पूरा नही खा पाते है जिसके चलते वह अन्न फकते हुये देखा जाता है। यदि उसी आयोजन में कोई अनजान भूखा व्यक्ति पहुंच जाता है तो उसे धक्का देकर बाहर कर दिया जाता है। हम यह नही कह रहे है कि अनजान व्यक्ति को आप अपने कार्यक्रम में शामिल करे। मगर इतना तो कर सकते है कि यदि वह भूखा है तो उसे थोड़ा सा भोजन करा देवे जिससे उसकी भूखी आत्मा को कुछ शांति प्रदान हो सके। क्योंकि किसी आयोजन की सही सफलता तभी मानी जा सकती है जब असहाय जिसका कोई नही होता है और वह भूखा है तो उस भूखे व्यक्ति को भोजन कराने के का पुण्य से आपकी किस्मत बदल सकती है। इस तरह चल रहे कथा के आयोजन में प्रतिदिन भगवान श्रीराम की कथा सुनने आस पास से बड़ी संख्या में भक्त पहुंच रहे है। इसी दौरान क्षेत्र में पूर्व विधायक व भगवान श्रीराम के भक्त गोविंद सिंह पटैल कक्का ने भी पहुंचकर भगवान की कथा का आनंद लेते हुये महाराजजी का पूजच अर्चन कर आर्शीवाद ग्रहण किया।

डीपीआई के ओआईसी ने निरीक्षण करते हुये लिया राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण की तैयारियों का जायजा

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। आने वाले माह यानि की 4 दिसंबर को होने वाले राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण की तैयारियो का जायजा लेने के लिए डीपीआई भोपाल से व जिले के ओआईसी चंद्रशेखर सोनी ने एनएएस जिला मॉनिटरिंग दल के सदस्य एवं प्राचार्य गोविन्द बड़कुर एवं तरुण मालवीय के साथ स्कूलों का भ्रमण कर तैयारियो का जायजा लिया। बताया जाता है कि इस दौरान उन्होंने क्षेत्र के चीचली ब्लॉक अंतर्गत ग्राम सूखाखेरी के शासकीय उ मा विद्यालय सहित ग्राम इमलिया पिपरिया के शासकीय हाइस्कूल एवं चोंचलों के शासकीय कन्या हाईस्कूल मे राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वे से सबंधित मॉक टेस्ट 1 एवं 2 से जुड़े प्रपत्रों को देखा एवं जरुरी निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने कहा कि सर्वेक्षण मे 9 वी कक्षा के चयनित छात्र छात्राएं शामिल होंगे। इसके लिए चयनित स्कूलों मे बेहतर तैयारी हो इस उद्देश्य को लेकर सभी कार्य करें। इस अवसर पर प्राचार्य महेंद्र कौरव, कमल सतारे, संदीप मेहरा, मिती पटैल सहित अन्य शिक्षक एवं छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

रक्षित केंद्र अनूपपुर में आयोजित किया गया निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर

अनूपपुर। जिला पुलिस इकाई अनूपपुर के रक्षित केंद्र में 23 से 24 नवंबर तक दो दिवसीय निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया था। जिसमें 140 से अधिक पुलिस अधिकारी कर्मचारी एवं उनके परिवार जन द्वारा अपने स्वास्थ्य का परीक्षण करवाया गया। रेडियंस हॉस्पिटल नागपुर से आए कुशल एवं अनुभवी डॉक्टरो सभी का उच्च रक्तचाप, हृदय संबंधी ,त्वचा संबंधी, अस्थिरोग संबंधी तथा महिलाओं से संबंधित विभिन्न समस्याओं की जांच की गई। जांच कर समुचित उपचार बताया गया। उपरोक्त कार्यक्रम में संपूर्ण व्यवस्था रक्षित निरीक्षक एवं टीम के द्वारा निष्पादित की गई।

आग से बुरी तरीके से झुलसे वृद्ध पति-पत्नि

भालूमाडा। थाना अंतर्गत भालूमाड़ा में ही निवासरत दोनों वृद्धावस्था लाला प्रसाद व पत्नी श्यामा बाई दोनों आग से झुलस गए कल रात्रि शाम 7 से 8 बजे के बीच वह घर पर ही सिगड़ी जलाकर सो रहे थे तभी अचानक की आग के चपेट में आ गए व पत्नी बहुत ज्यादा झुलसकर जख्मी हो गयी है। स्थिति नाजुक बनी है इसी प्रकार अपने पत्नी को बचाने के दौरान पति लाल प्रसाद भी झुलस गया गया है। आसपास के लोगों के द्वारा 108 इमरजेंसी की सेवा पर सूचना दी गई जिस सूचना को पाकर पास के ही कोतमा लोकेशन घटनास्थल में पहुंची और पीड़ितो को नजदीक अस्पताल कोतमा में भर्ती कराया गया, प्राथमिक उपचार के बाद पति-पत्नी दोनों को जिला अस्पताल के लिए डॉक्टर के द्वारा बेहतर इलाज के हेतु रेफर किया गया। जिसमें पुनः संजीवनी 108 इमरजेंसी सेवा के अधिकृत इमरजेंसी मेडिकल टेक्नीशियन दीन दयाल जायसवाल व पायलट अजय कुमार शुक्ला के द्वारा वृद्ध लाला प्रसाद आंखों से अंधा व पत्नी मानसिक विक्षिप्त दोनों गंभीर रूप से जली हुई जख्मी पीड़ताओं को गंतव्य स्थान की ओर आनन फानन रवाना होकर जिला अस्पताल अनूपपुर में भर्ती कराया गया।

वेंकटनगर के आसपास तीन दिनों से घूम रहा भालू

अनूपपुर। जिले के छत्तीसगढ़ राज्य की सीमा में बसे बेंकटनगर क्षेत्र में बिगत तीन दिनों से एक भालू देर रात होने पर निरंतर विचरण करने की सूचना ग्रामीणों द्वारा दी जा रही हैं यह भालू छत्तीसगढ़ राज्य की सीमा में दिन में रहते हुए देर रात होने पर मध्यप्रदेश के अनूपपुर जिला अंतर्गत वेंकटनगर के आसपास आ कर विचरण कर रहा है भालू के विचरण की सूचना पर वनविभाग आम नागरिकों को सतर्कता बरतने की समझाइए दी है। इस संबंध में बताया गया कि विगत तीन दिनों से एक भालू वेंकटनगर गांव के आसपास छत्तीसगढ़ राज्य के खैरछिटी इलाके के जंगल से रात होते ही पड़ोस के मध्यप्रदेश की सीमा के अनूपपुर जिले के अंतिम छोर में बसे वेंकटनगर गांव के आसपास आकर विचरण कर रहा है जो विगत वेंकटनगर रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म में विचरण करते रेल्वे कर्मचारी एवं नागरिकों ने देखा जिसका वीडियो भी वायरल हुआ है। भालू पड़ोस के बोरातालाब के पास तथा पुलिस सहायता केंद्र के पीछे से विचरण करते हुए देखा गया है भालू के विचरण की जानकारी देते हुए वेंकटनगर निवासी आशीष तिवारी ने वनविभाग को सूचना दी जिस पर वनविभाग के कर्मचारी भालू के विचरण पर नजर बनाए रखते हुए नागरिकों को सतर्कता बरतने तथा किसी भी तरह की सूचना प्राप्त होने पर वनविभाग को सूचित करने की समझाईश दी है।

अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत जिला इकाई डिंडोरी की बैठक संपन्न

डिंडोरी

अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत जिला इकाई डिंडोरी की बैठक प्रांतीय उपाध्यक्ष अजय मिश्रा एवं संभागीय संगठन मंत्री गौरव भदोरिया के मार्गदर्शन में आहुत की गई बैठक में उपस्थित पदाधिकारी ने सर्व सम्मति से निर्णय लिया कि ग्राहक को अपने अधिकार के प्रति जागरूक करने के लिए एजेंडा के साथ जिला स्तर पर माह के अंतिम शनिवार को बैठक रखी जाएगी इसके साथ ही तहसील स्तर पर भी बैठक का दौर प्रारंभ होगा । इस संगठन के विस्तार के लिए गांव तक सदस्यता अभियान भी चलाया जाएगा ताकि ग्राहकों को जागरूक किया जा सके विदित है कि यह संगठन कई क्षेत्रों में ग्राहकों की समस्या का समाधान करने के लिए कार्य कर रहा है । इस संगठन के माध्यम से ही उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 1986 लागू हुआ है संगठन के अनुभवी नरेंद्र राजपूत ने बताया कि अर्थव्यवस्था का मूल आधार ग्राहक होता है ग्राहक को जागृत और प्रशिक्षित करना ही संगठन का मूल कार्य है कोई भी ग्राहक अपनी किसी भी प्रकार की समस्या को लेकर प्रमाणिकता के साथ इस मंच के जिला अध्यक्ष अनिल अवधिया अथवा किसी भी पदाधिकारी से संपर्क स्थापित कर सकता है ताकि यह मंच उसकी समस्या का निराकरण कर सके इस बैठक में प्रमुख रूप से नरेंद्र राजपूत जिला अध्यक्ष अनिल अवधिया जिला सचिव भुवनेश्वर ठाकुर जिला उपाध्यक्ष दिनेश चैकसे विधि आयाम प्रमुख एडवोकेट गंभीर दास महंत महिला जागरण प्रमुख श्रीमती नेहा साहू गंगोत्री कुशराम सहित प्रमुख पदाधिकारी उपस्थित रहे।

मानिकपुर में सीएससी बिजली बिल भुगतान केन्द्र का उद्घाटन

शहपुरा न्यूज। मानिकपुर के सीएससी सेंटर पर बिजली बिल जमा करने की नई सेवा का शुभारंभ किया गया।सीएससी केंद्रों के माध्यम से बिल जमा किए जा रहे हैं। इस पहल के माध्यम से अब मानिकपुर ग्रामीण क्षेत्र के लोग बिना बिजली दफ्तर गए और बिना अतिरिक्त शुल्क दिए अपने नजदीकी सीएससी सेंटर से बिजली बिल जमा कर सकेंगे। ग्रामीणों तक इस सुविधा को व्यापक बनाने एवं पहुंचने के लिए सीएससी बिजली बिल भुगतान केंद्र का उद्घाटन मध्य प्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण लिमिटेड कंपनी के जेई धर्मेंद्र कुमार द्वारा कुलस्ते फोटोकॉपी भाम्हा रोड मानिकपुर मैं किया गया है। सीएससी जिला प्रबंधक द्वारा बताया गया कि यह नई सुविधा एमपीईबी और सीएससी के संयुक्त प्रयास से शुरू की गई है। इसके जरिए ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के नागरिकों को सुविधा मिलेगी। अब बिजली बिल जमा करने के लिए लंबी लाइनों में लगने या दूरदराज के कार्यालयों तक जाने की जरूरत नहीं होगी उद्घाटन कार्यक्रम में उपस्थित सीएससी जिला प्रबंधक दीपेंद्र सिंह, लाइनमैन रामसेवक भवेदी, मीटर रीडर संतोष कुमार रजक, सहित उपस्थित रहे।

बाल विवाह रोकने दिलाई गई शपथ, बालिकाओं ने बाल विवाह पर आधारित नुक्कड़ नाटक की दी प्रस्तुति

डिंडोरी

शासकीय आदिवासी कन्या आश्रम शाला अंग्रेजी माध्यम डिंडोरी राष्ट्रीय सेविका समिति डिंडोरी के द्वारा रानी अहिल्या बाई होल्कर जी की त्रिशताब्दी वर्ष मनाया गया। कार्यक्रम में बालिकाओं को देवी अहिल्या बाई होल्कर की जीवनी के बारे में बताया गया। इसी तारतम्य में वन स्टॉप सेन्टर (सखी) डिंडोरी के उपस्थित अधिकारी, कर्मचारी द्वारा महिला हेल्प लाइन 181, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 के विषय में जानकारी दी गई। कार्यक्रम के अंत में बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 की विस्तृत जानकारी देते हुए बालिकाओं ने बाल विवाह पर आधारित नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति दी। इस दौरान बाल विवाह रोकने हेतु शपथ दिलाई गई।

आगाज इंटर्नशिप एनएसएस और यूनिसेफ में प्रीति खरोले का हुआ

जिला मुख्यालय में संचालित शासकीय चन्द्रविजय महाविद्यालय की छात्रा प्रीति खरोले पिता स्व प्रकाश खरोले का चयन एनएसएस के लिए किया गया है।

डिंडौरी

छात्रा के चयन में महाविद्यालय की प्रचार्य तुलसी करचाम, एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ आईसी परणा, प्रगति साहू, जिला संगठक डॉ पीसी उइके, सहयोगी शिक्षक डॉ रवि सिह धुर्वे, डॉ बिजलेश धुर्वे, राशि गौतम, प्रतिभा संत का विशेष मार्गदर्शन रहा है। बताया गया कि आगाज इंटर्नशिप सरकारी इंटर्नशिप है, जो राष्ट्रीय सेवा योजना और यूनिसेफ के तहत संचालित होती है। इस इंटर्नशिप का उद्देश्य युवाओं को सामाजिक मुद्दों पर काम करने का अवसर प्रदान करना और उन्हें जागरूक नागरिक के रूप में विकसित करना है। इस साल पूरे मध्य प्रदेश से कुल 100 छात्रों को इस इंटर्नशिप के लिए चयनित किया गया है। चयन प्रक्रिया में आवेदन पत्र भरने के बाद साक्षात्कार लिया गया। यह इंटर्नशिप तीन महीने की अवधि की है। इसमें छात्रों को विभिन्न सामाजिक मुद्दों पर काम करने का अवसर मिलता है। हर छात्र को एक विषय या क्षेत्र में गहराई से काम करने का दायित्व दिया जाता है।

करंजिया क्षेत्र (वन क्षेत्र) के आस-पास संचालित समस्त विद्यालयों में 25 से 29 नवम्बर 2024 तक शैक्षणिक संस्थाओं का अवकाश घोषित

डिंडोरी

कार्यालय विकासखंड शिक्षा अधिकारी करंजिया जिला के अनुसार विकासखंड करंजिया अंतर्गत ग्राम पंचायत 6154 द्वारा पंडरी पानी, गोपालपुर, खम्हार खुदरा, चकमी, खारीडीह एवं चैरादादर वन्य क्षेत्र में वन जीव हाथी एवं बाघ का भ्रमण परिलक्षित है। विद्यालयीन छात्र-छात्राओं को स्कूल आने-जाने में जान का खतरा होने के कारण विद्यालय में अवकाश घोषित करने संबंधी बीईओ एवं बीआरसी करंजिया के संयुक्त हस्ताक्षर से प्राप्त प्रस्ताव के आधार पर छात्र-छात्राओं के सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए जनशिक्षा केन्द्र गोपालपुर अंतर्गत पंडरी पानी, गोपालपुर, खम्हार खुदरा, चकमी, खारीडीह एवं चैरादादर में संचालित समस्त विद्यालयों एवं चाड़ा विकासखंड बजाग के अंतर्गत आस-पास जो करंजिया के उपरोक्त क्षेत्र (वन क्षेत्र) के आस-पास संचालित समस्त विद्यालयों में 25 से 29 नवम्बर 2024 तक शैक्षणिक संस्थाओं का अवकाश घोषित किया जाता है।

सक्षम कार्यक्रम के माध्यम से बच्चों को दी रोजगार, कैरियर की जानकारी

डिण्डौरी- जनजाति कार्य विभाग में सक्षम कार्यक्रम के तहत जिले के एकलव्य आदर्श विद्यालय डिंडोरी में तीन दिवसीय शिक्षण प्रशिक्षण संपन्न हुआ। 21वीं सदी के जीवन कौशल विकसित हेतु मास्टर ट्रेनर द्वारा शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के तीसरे दिवस पर डिंडोरी विकास खंड शिक्षा अधिकारी बी. डी. सोनी और जनजाति कार्य विभाग से प्रशांत द्विवेदी और सक्षम कार्यक्रम प्रबंधक महारन प्रताप सिंह परमार एवं एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय प्राचार्य राजेश सिंह तोमर उपस्थित रहे। एकलव्य आदर्श विद्यालय के छात्र छात्राओं को जीवन कौशल के सत्रों के साथ साथ रोजगार, कैरियर कौशल, वित्तीय साक्षरता की भी शिक्षा दी जावेगी। शिक्षकों के द्वारा किशोर किशोरी अपने कैरियर के प्रति जागरूक किये जायेंगे। 3 दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण के बाद शिक्षक छात्र छात्राओं को 21 वीं सदी के जीवन कौशल को विकसित करने के लिए नई शिक्षा नीति के आधार पर गतिविधि आधारित सत्रों के माध्यम से लिंग भेद और रोजगार परख,करियर संबंधी शिक्षा देंगे। जनजाति कार्य विभाग मध्यप्रदेश और मैजिक बस इंडिया फाउंडेशन के संयुक्त सहयोग से यह कार्यक्रम किशोर किशोरियों में जीवन कौशल विकसित करने के लिए प्रयासरत है, जिससे वे अपने व्यवहारिक जीवन में आने वाली चुनौतियों का आसानी से निराकरण करने में सक्षम हों। मैजिक बस इंडिया फाउंडेशन से विकास खंड प्रबंधक प्रवीण उपाध्याय और अनुराग दुबे प्रशिक्षण में सहयोगी रहे। मास्टर ट्रेनर के तौर पर शैलेश यादव और श्रीमति मंजू एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय डिंडोरी से मुख्य प्रशिक्षक की भूमिका में रहे।

दो वारंटियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

डिण्डौरी-

कोतवाली थाना अंतर्गत दो अलग अलग ठिकानों से मुखबिर की सूचना पर फरार चल रहे दो वारंटियों को पुलिस ने गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार पवन कुमार पिता पन्ने लाल यादव उम्र 32 साल निवासी खैरदा के विरूद्ध 2023 में धारा 279, 337, और 338 के तहत मामला दर्ज किया जाकर न्यायालय में चालान प्रस्तुत किया गया था । जिसकी सुनवाई न्यायालय में जारी है लेकिन आरोपी पेषी तारीख में उपस्थित नही हो रहा था जिसके विरूद्ध न्यायालय ने गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। जिसके बाद से आरोपी की पुलिस तलाष कर रही थी रविवार सुबह मुखबिर से सूचना मिली की आरोपी अपने घर पर मौजूद है , तब कोतवाली पुलिस ने आरोपी को घेराबंदी करते हुए गिरफ्तार किया है। वहीं एक अन्य मामले में फरार वारंटी को भी रविवार सुबह पुलिस ने पुरानी डिण्डौरी इलाके से गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। आरोपी संदीप कुमार पाल पिता राजू पाल उम्र 25 साल निवासी हल्दी थाना बडगंढ जिला चित्रकूट हाल वार्ड नं. 11 पुरानी डिण्डौरी के विरूद्ध 2024 में आबकारी अधिनियम की धारा 34ए के तहत कोतवाली पुलिस ने मामला दर्ज किया था और न्यायालय में चलान् रप्रस्तुत किया था लेकिन आरोपी पेषी तारीख में न्यायालय में उपस्थित नही हो रहा था जिसके विरूद्ध भी गिरफ्तारी वांरट जारी किया गया था । कार्यवाई में थाना प्रभारी जी एस उइके, सहायक उपनिरीक्षक राघवेन्द्र सिंह , सहायक उपनिरीक्षक बुधसेन नेटी, आरक्षक अवषीष पटेल और रामसिंह शामिल रहे ।

आपसी विवाद पर एक ही परिवार के पांच लोगों से की मारपीट

डिंडौरी

कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम खिरसारी में आपसी विवाद पर एक ही परिवार के पांच लोगों से मारपीट करने का मामला प्रकाश में आया है। पीड़ति पक्ष की शिकायत पर आरोपियों के विरूद्ध अपराध पंजीबद्ध कर लिया गया है। फरियादी लखन परमार पिता दशरु परमार उम्र 40 वर्ष ने रिपोर्ट दर्ज कराया कि शनिवार की रात करीबन 8.30 बजे मैं अपने घर से भूरू राठौर की किराना दुकान सामान लेने जा रहा था। रास्ते में बालिका छात्रावास रोड के किनारे गांव का देवा वनवासी और मिठ्ठु वनवासी बैठे थे। अंधेरे मे कुत्ते मुझे देखकर भौंक रहे थे तो मैं भी अपने मुंह से भौंकने की आवाज निकाल रहा था। तब दोनो ने गाली देते हुए कौन कुत्ता आ रहा है बोले। इस पर मैने कहा कि मै लखन हूं, गाली मत दो। इसी बात पर दोनो ने मेरे साथ मारपीट की। मेरे चिल्लाने पर मेरी पत्नी हेमा बाई और लडका बलराम परमार आकर बीच बचाव किये। उन्हे भी दोनो लोगो द्वारा धक्का मुक्की कर मारपीट की गई। मेरी पत्नी और बच्चे मुझे घर के अंदर कर दिये। 15 मिनट बाद अंतू बनवासी व उसका लडका संदीप बरौतिया और प्रवीण बरौतिया आये। मेरे भतीजा लवकुश परमार एवं पिताजी दशरू परमार से मुझे पूछ रहे थे कि कहा है, जिसने झगडा किया है। यह कहकर भतीजा लवकुश परमार और पिताजी दशरू परमार के साथ झगडा विवाद करते हुए मारपीट की गई। इस दौरान सुरेश परमार और बहू पुष्पा परमार, सिया बाई, मुन्नी बाई, गुडडा बनवासी आकर बीच बचाव किये। सभी लोग जान से मार डालने की धमकी दे रहे थे।

जनसेवा का अनोखा तरीका

सिंधी समाज ने की नि:शुल्क चरण पादुका और शीतल पेयजल की व्यवस्था

श्री रामकथा आयोजन मे पूरे सेवाभाव से कर रहे जनसेवा, सर्वत्र हो रही सराहना

अनूपपुर। जिला मुख्यालय अनूपपुर स्थित अमरकंटक रोड मे चंदास नदी के पास श्री राम सेवा समिति द्वारा 19 से 27 नवंबर तक आयोजित श्रीराम कथा में व्यासपीठ परमपूज्य प्रेमभूषण जी महाराज के श्रीमुख से भक्त श्रीराम कथा का श्रवण कर पुण्यार्जन कर रहे है। जहां विभिन्न प्रकार के स्टाल तो लगे है जिनमे कहीं प्रेरणा दायक पुस्तकें तो कहीं मालाएं लॉकेट देखने को मिल रही है, लेकिन कथा स्थल के बगल मे एक अनोखा स्टाल देखकर मन श्रद्धा भाव से भर जाता है। वह स्टाल चरण पादुका का है जहां रामकथा के पहले दिन से ही प्रतिदिन बिना प्रचार प्रसार के जिला मुख्यालय के सिंधी समाज के प्रतिष्ठित केवलानी परिवार के भगवान दास केवलानी, अमर दास केवलानी, करतार सिंह केवलानी, श्याम लाल केवलानी, रमेश लालवानी, साजन दास केवलानी एवं उनका परिवार तन मन धन से कथा सुनने आए श्रद्धालुओं के जूते चप्पल पूरे आदर के साथ व्यवस्थित तरीके से थैले मे रखकर सुरक्षित स्टैण्ड मे टांग कर कथा समाप्ति के बाद वापस उनको पहना कर हाथ जोड़कर जय श्री राम का उद्घोष करते देखे जाते हैं वही शीतल जल की सेवा भोजवानी परिवार द्वारा एवं निःशुल्क चाय बिस्किट की व्यवस्था भारतीय सिंधु समाज अनूपपुर के अध्यक्ष तेजूमल भोजवानी के मार्गदर्शन में अर्जुन दास भोजवानी, परशराम वाधवानी परिवार सहित सेवा कार्य में लगे हुये हैं। इस नेक कार्य की जहां केवलानी परिवार की सर्वत्र सराहना हो रही है वही वह इस सेवा के माध्यम से श्रद्धालुओं से ज्यादा पुण्य के भागी बनकर अपने आपको कृतार्थ कर रहे हैं। सहज सरल स्वभाव से कथा श्रवण करने आये श्रद्धालुओं की प्यास बुझाने और उनकी चरण पादुका को सुरक्षित रखकर कथा समाप्ति के बाद उनके चरणों मे वापस पहनाने के कार्य की हर जगह सराहना हो रही है। मानव सेवा के कार्यो मे अग्रणी भूमिका निभाने वाले सिंधी समाज के सभी जागरूक समाज सेवकों ने यह अलग सुखद जनसेवा की मिशाल कायम की है। ज्ञात हो कि कुछ वर्ष पहले जिला मुख्यालय मे हायर सेकेण्ड्री ग्राउण्ड मे दद्दा जी के पार्थिव शिवलिंग निर्माण यज्ञ मे भी केवलानी परिवार द्वारा भयावह गर्मी मे श्रद्धालुओं को ठंडे पानी की उपलब्धता सुनिश्चित कर पुण्य के भागी बने थे तब भी श्रद्धालुओं ने सेवादारों को हृदय से धन्यवाद देते हुये उनकी सराहना की थी। बता दें कि रामकथा मे जनसेवा के लिए सिंधी परिवार ने अपने व्यवसाय या कार्य को भी थोड़ा कम करते हुये ज्यादा से ज्यादा समय श्रीराम कथा स्थल मे बिता रहे हैं तथा शिफ्ट मे परिवार के लोग स्टॉल पहुंचकर पूरे मनोयोग से सेवा कर रहे हैं।

कोई भी व्यक्ति किसी और के भाग्य को बदल नहीं सकता- प्रेमभूषण महाराज

श्रीराम कथा में उमड़ रहा भक्तों का सैलाब, खचाखच भरा रहता कथा स्थल

अनूपपुर।

जिसके पास जो होता है दूसरे को वही वस्तु दे सकता है। अपने कष्ट और दुख के लिए हम बेवजह भगवान को दोष लगाते हैं। भगवान किसी को दुख या कष्ट दे ही नहीं सकते हैं, क्योंकि उनके पास ना तो दुख है, ना कष्ट है। भगवान के पास कोई बीमारी भी नहीं है तो वह देंगे कहां से? उक्त बातें अनूपपुर अमरकंटक रोड स्थित कथा पंडाल में श्री राम कथा का गायन करते हुए छठे दिन प्रेमभूषण महाराज ने व्यासपीठ से कथा वाचन करते हुए कही। श्रीराम कथा गायन के लिए लोक ख्याति प्राप्त प्रेमभूषण ाहाराज ने श्री राम सेवा समिति के पावन संकल्प से आयोजित नौ दिवसीय रामकथा गायन के क्रम में श्री सीताराम विवाह से आगे के प्रसंगों का गायन करते हुए कहा कि मनुष्य अपने कर्म बिगाड़ करके ही जीवन में दुख कष्ट और बीमारी प्राप्त करता है। मनुष्य को खासकर अपने विवाह के बाद अपने कर्मों के प्रति सावधान जरूर हो जाना चाहिए। कर्म करने में लापरवाही का परिणाम भी सामने आता है। सीखने के लिए एक अवस्था होती है जीवन भर बार-बार गलती कर करके नहीं सीखा जा सकता है। हमारे हाथ में केवल हमारा कर्म है। हमारे कर्म से ही हमारा प्रारब्ध बनता है। कोई भी व्यक्ति किसी और के भाग्य को बदल नहीं सकता है। क्योंकि उसका भाग्य तो उसके अपने ही कर्मों से बना होता है। कर्म का फल हर हाल में खाना होता है और सनातन धर्म विश्वास पर ही टिका है। महाराज श्री ने कहा कि भगवान को न मानने वाले या प्रकृति से छेड़छाड़ करने वाले लोगों को अगर यह लगता है कि उसका फल उन्हें नहीं भोगना होगा तो वह गलत सोचते हैं। अच्छे कर्म का अच्छा फल और बुरे कर्म का पूरा फल हर हाल में प्राप्त होता है। केवट जी को 17 जन्मों के बाद भगवान का पैर पखाड़ने का अवसर मिला था। धरती का संसार भगवान की रचना है और इसकी हर रचना पर भगवान की ही दृष्टि है। भगवान को वही जान पाता है जिसे भगवान जनाना चाहते हैं। और भगवान को जान जाने वाला भगवान का ही होकर ही रह जाता है। पूज्य श्री ने कहा कि मनुष्य मात्र की दिमागी कसरत है जाति-पाती के भेद। भगवान ने कभी भी, कहीं भी जात-पात भेद को बढ़ावा देने की बात नहीं करी है। श्री राम चरितमानस में इस बात का बार-बार प्रमाण आया है। भगवान ने केवट जी, शबरी जी और निषाद जी को जो सौभाग्य प्रदान किया वह अपने आप में यह बताने के लिए पर्याप्त है कि भगवान कभी भी भगत में जात-पात का भेद नहीं देखना चाहते हैं। धरती के किसी भी मनुष्य के लिए भगवान का गुणगान करने के लिए जाति और कुल का कोई महत्व नहीं होता है। हमारे सनातन सद्ग्रन्थों में यह बार-बार बताया गया है कि जो कोई भी चाहे प्रभु को जप ले और अपना जीवन धन्य कर ले। कोई भी गा ले, फल अवश्य मिलेगा। महाराज श्री ने कहा कि मनुष्य अपने परिवार के लोगों के लिए ही जीवन में गलत कार्य करता है धन उपार्जन करने के लिए। लेकिन उसे यह सोचने की आवश्यकता होती है कि कोई इसके फल में उसका साथ देने वाला नहीं है फल तो उसको स्वयं अकेले ही खाना पड़ता है। बेईमानी का संग्रह टिकता नहीं है और ना ही उससे जीवन में कोई सुखी हो पाता है। अगर मनुष्य को जीवन में सुख चाहिए तो वह उसे सिर्फ अपने सत्कर्म से ही प्राप्त हो सकता है। अपने परिश्रम से अर्जित धन से जो व्यक्ति अपना जीवन व्यतीत करता है वही सुखी रह पाता है। पूज्यश्री ने कहा कि भगवान अविकारी हैं और मनुष्य अर्थात जीव विकारों से परिपूर्ण है। भगवान और मनुष्य में यही मूल अंतर है। अपने कर्मों के माध्यम से जीव अगर अपने विकारों से रहित हो जाता है या विकारों को कम करना शुरू कर देता है तो वह भगवान के तुल्य होने लगता है। निरंतर सतकर्मों में रहने वाला व्यक्ति ही विकारों से छुटकारा पाता है। पूज्य प्रेमभूषण जी महाराज ने कहा कि जानबूझ कर किया गया अपकर्म या पाप मनुष्य का पीछा नहीं छोड़ता है और उसका फल हर हाल में भोगना ही पड़ता है। अगर ऐसा नहीं होता तो लोग रोज-रोज पाप करते और गंगा जी में नहा कर पाप धो लेते। फिर तो धरती पर कोई पापी बचता ही नहीं। सनातन सदग्रंथों में हर बात की व्याख्या की गई है, हमें इन पर विश्वास रखते हुए जीवन जीने का प्रयास करना चाहिए। महाराज श्री ने कई सुमधुर भजनों से श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। बड़ी संख्या में उपस्थित रामकथा के प्रेमी, भजनों का आनन्द लेते हुए झूमते नजर आए। इस आयोजन से जुड़ी समिति के सदस्यों ने व्यास पीठ का पूजन किया और भगवान की आरती उतारी।

नगरीय एवं पंचायत उप निर्वाचन के प्रेक्षक जिले के प्रवास पर

अनूपपुर। मध्य प्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा नगरीय निकाय और पंचायत के रिक्त पदों के लिए उप निर्वाचन कार्यक्रम हेतु सेवानिवृत्त भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी शैलेंद्र कियावत को प्रेक्षक नियुक्त किया है। प्रेक्षक श्री कियावत 24 से 28 नवंबर तक व 8 से 12 दिसंबर तक जिले के भ्रमण पर रहेंगे। नगरीय एवं पंचायत उप निर्वाचन से संबंधित शिकायतों आदि के लिए प्रेक्षक श्री कियावत से संपर्क स्थापित किया जा सकता है। जिला प्रवास के दौरान प्रेक्षक श्री कियावत जिला मुख्यालय स्थित सर्किट हाउस में ठहरे हुए हैं। मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग ने नगरीय निकाय और पंचायतों के रिक्त पदों के लिये उप-निर्वाचन के घोषित कार्यक्रम के अनुसार नाम निर्देशन-पत्र 25 नवम्बर 2024 तक लिये जायेंगे। नाम निर्देशन-पत्रों की संवीक्षा (जाँच) 26 नवम्बर 2024 को होगी। अभ्यर्थिता से नाम वापस लेने की अंतिम तारीख 28 नवम्बर 2024 है। इसी दिन निर्वाचन प्रतीकों का आवंटन होगा। मतदान (यदि आवश्यक हो) 9 दिसम्बर 2024 को नगरीय निकाय में सुबह 7 बजे से शाम 5 बजे तक और पंचायतों में सुबह 7 बजे से दोपहर 3 बजे तक होगा। मतगणना नगरीय निकाय में 12 दिसम्बर 2024 को सुबह 9 बजे से होगी। पंच पदों के लिये मतगणना मतदान केन्द्र पर ही मतदान समाप्ति के तुरंत बाद होगी। सरपंच पद के लिये मतगणना 13 दिसम्बर को विकासखण्ड मुख्यालय पर सुबह 8 बजे से होगी। उप निर्वाचन के तहत अनूपपुर जिले के नगर परिषद जैतहरी के वार्ड नं. 06 के पार्षद पद हेतु तथा जनपद पंचायत जैतहरी अंतर्गत ग्राम पंचायत चोरभठी में सरपंच व 01 पंच पद हेतु, ग्राम पंचायत ढुलहरा में 01 पंच पद हेतु, ग्राम पंचायत अमगवां में 01

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

10

जबलपुर, सोमवार 25 नवंबर 2024

login : www.haribhoomi.com

करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल

खबर संक्षेप

अवैध खनन को लेकर ग्रामीणों ने सौंपा ज्ञापन

नरसिंहपुर। विगत दिवस ग्रामीणों द्वारा जिला प्रशासन के नाम ज्ञापन सौंपकर कार्रवाई की मांग की गई। ज्ञापन मे बताया गया ग्राम बहादुरपुर में मिट्टी का अवैध खनन किया जा रहा है जिसे बंद कराने की मांग रखी। ग्रामीणों ने बताया कि दबंगो द्वारा मिट्टी खनन कर परिवहन किया जा रहा है जिससे दुर्घटना की आशंका भी बनी हुई है तथा ग्रामीणों की सुविधा के लिये बनाई गई सड़क भी ध्वस्त हो रही है।

नपा ने हटाया अतिक्रमण

नरसिंहपुर। विगत दिवस नगर पालिका द्वारा शंकराचार्य वार्ड इतवारा बाजार रोड पर किये गये अतिक्रमण पर कार्रवाई करते हुये नगर पालिका प्रशासन द्वारा अतिक्रमण हटाया गया। पार्षद अजय प्रताप सिंह ने बताया कि लोगों द्वारा अतिक्रमण के संबंध मे शिकायत की गई थी जिस पर उक्त कार्रवाई की गई। उक्त स्थान में रोड का निर्माण कराया जावेगा। उक्त कार्रवाई के दौरान पार्षद व अन्य नगर पालिका कर्मचारी मौजूद रहे।

नेहरू स्कूल में विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन

नरसिंहपुर। गत दिवस स्थानीय शासकीय नेहरू स्कूल मे विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों द्वारा विज्ञान से जुड़े विभिन्न विषयों को लेकर अलग - अलग माडल तैयार किया गया। उक्त प्रर्दशनी में कक्षा 11 वी व 12 वी के विद्यार्थी शामिल रहे। शिक्षकों ने विद्यार्थियों बनाये गये माडलों की सराहना की गई।

महिला ने खाया जहर, मौत

नरसिंहपुर। विगत दिवस महिला द्वारा जहरीली वस्तु का सेवन कर लिया गया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार देविका बाई जाटव उम्र 55 वर्ष निवासी मढ़ेसुर थाना करेली द्वारा घर पर जहरीली वस्तु का सेवन कर लिया जिसे परिजनों द्वारा उपचार हेतु स्वास्थ्य केन्द्र करेली ले जाया गया जहां से प्राथमिक उउपचार के बाद जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया गया जहां पर डाक्टरों द्वारा परीक्षण के दौरान मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मर्ग प्रकरण तैयार शव का परीक्षण कराकर परिजनों को सौंप दिया।

रेलवे लाइन में मिली महिला की लाश

नरसिंहपुर। विगत दिवस जिला मुख्यालय पर रेलवे स्टेशन के पास महिला के पड़े होने के जानकारी रेलवे पुलिस को दी गई। जानकारी मिलने के बाद उपचार हेतु जिला चिकित्सालय लाया गया जहां पर डॉक्टरों द्वारा मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने बताया कि राम बाई उम्र 55 वर्ष निवासी बिछुआ थाना ठेमी की मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग प्रकरण तैयार शव का परीक्षण कराकर परिजनों को सौंप दिया।

रोल प्रेक्षक आयुक्त का आगमन कल

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार एक जनवरी 2025 की अर्हता तिथि के मान से फोटो निर्वाचक नामावली का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण 2025 प्रचलित है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मध्यप्रदेश द्वारा नामावली के पुनरीक्षण कार्य के लिए पर्यवेक्षण हेतु आयुक्त जबलपुर को नरसिंहपुर जिले का रोल प्रेक्षक नियुक्त किया गया है। रोल प्रेक्षक आयुक्त जबलपुर का 26 नवम्बर को जिले में भ्रमण प्रस्तावित है। भ्रमण के दौरान कोई भी नागरिक रोल प्रेक्षक से मतदाता सूची के संबंध में किसी शिकायत या अन्य के संबंध में मुलाकात कर सकता है। इसके अलावा उनके दूरभाष पर भी सम्पर्क किया जा सकता है।

संयुक्त दल की कार्रवाई, गोदाम सील

अवैध उर्वरक का भंडारण पर कार्रवाई, एफआईआर दर्ज

1519 बोरी यूरिया व 343 बोरी एसएसपी का अधिक भंडारण

नरसिंहपुर

जिले मे उर्वरक के लिए किसान परेशान है और आये दिन किसानों द्वारा प्रशासन व सरकार को कोसते नजर आ रहे है वही जिले के कुछ अवैध कारोबारियों द्वारा मनमाफिक भंडाराण कर लिया गया और मनमाने दामों पर उर्वरक बेचकर मुनाफा खोरी का कार्य किया जा रहा है। अवैध भंडारण व विक्रय पर अंकुश लगाने के लिये प्रशासन द्वारा कार्रवाई की गई जिसमें संचालक पर थाना कोतवाली में मामला दर्ज कर गोदाम को सील किया गया। जिले की विकासखंड करेली के ग्राम उमरिया स्थित उर्वरक विक्रेताओं के प्रतिष्ठानों का भौतिक सत्यापन के दौरान उर्वरक/ बीज/ कीटनाशक निरीक्षण सह वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी करेली एसके सोनी द्वारा मेसर्स माँ शारदा ग्रुप उमरिया के प्रो. गौरव साहू के प्रतिष्ठान गोदाम का निरीक्षण किया गया।

गोदाम किया गया शील

कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले मार्गदर्शन में उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास नरसिंहपुर द्वारा प्रतिष्ठान की संपूर्ण जांच के लिए उर्वरक गुण नियंत्रण आदेश 1985 तथा अन्य सुसंगत प्रावधानों के अंतर्गत कार्यवाही के लिए समस्त वैद्यानिक एवं प्रशासनिक कार्य करने के लिए उर्वरक/ बीज/ कीटनाशक निरीक्षण सह वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी करेली एस के सोनी को अधिकृत किया गया था। कार्यवाही में सहयोग एवं समन्वय के लिए सदस्य दल का गठन किया गया था। निरीक्षण के दौरान पीओएस मशीन से अधिक भण्डारण करना पाया गया। मौके पर उपस्थित न होने के कारण गोदाम को सील किया गया था। निरीक्षण के दौरान भौतिक सत्यापन में पीओएस मशीन एवं गोदाम में भण्डारित स्टॉक में अंतर पाया गया। प्रो. गौरव साहू द्वारा निरीक्षण कार्य में सहयोग नहीं किया गया। साथ गोदाम मे ताला लगाकर गोदाम बंद करके चले गये। दूरभाष पर बार- बार संपर्क करने पर भी उपस्थित नहीं हुये।

पीओएस मशीन व भंडारण में अंतर

गठित उक्त दल, राजस्व विभाग एवं पुलिस प्रशासन तथा ग्रामवासी के साथ शनिवार 23 को मेसर्स माँ शारदा ग्रुप उमरिया के प्रो. गौरव साहू के प्रतिष्ठान की सील की गई गोदाम की वीडियोग्राफी कर ताला खुलवाया गया। पीओएस मशीन की पर्ची निकालकर गोदाम का भौतिक सत्यापन प्रो. गौरव साहू के समक्ष भण्डारित उर्वरक की मात्रा का मिलान किया गया। भौतिक सत्यापन के दौरान पीओएस मशीन में यूरिया 18.225 एवं वास्तविक 86.58 मी.टन पाया गया, जो कि 68.355 मी. टन अर्थात 1519 बोरी अधिक पाई गई। इसी प्रकार थोक आईडी में एसएसपी 4.5 मी. टन एवं वास्तविक 21.65 मी. टन पाया गया जो कि 17.15 मी.टन अर्थात 343 बोरी अधिक पाई गई। संयुक्त जांच दल द्वारा सूक्ष्मता से निरीक्षण में पीओएस मशीन से अधिक मात्रा में उर्वरक भण्डारण गोदाम में पाया गया जो, उर्वरक का अवैध भण्डारण करना पाया गया है।

संचालक गौरव साहू पर प्रकरण दर्ज

निरीक्षण के दौरान प्रथम दृष्टया मेसर्स माँ शारदा ग्रुप उमरिया के प्रो. गौरव साहू द्वारा उर्वरक अधिनियम 1985 की धारा 4, 5, 21, 35 एवं आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3 (2) (घ) एवं धारा 7 का उल्लंघन करना पाया गया। मेसर्स माँ शारदा ग्रुप उमरिया के प्रो. गौरव साहू द्वारा गंभीर अनियमितता पाई जाने पर अनुविभागीय कृषि अधिकारी श्रीमती शिल्पी नेमा के मार्गदर्शन मे (उर्वरक निरीक्षक) वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी करेली एसके सोनी द्वारा थाना कोतवाली में एफआईआर दर्ज करायी गई। कार्यवाही के दौरान जिला स्तरीय नोडल अधिकारी सहायक संचालक कृषि अभिषेक दुबे, सदस्य वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी नरसिंहपुर आर के आरसे, आर के ठाकुर, आर के उईके, श्रीमती कीर्ति लोधी एवं सभी कृषि विस्तार अधिकारी उपस्थित थे।

वर्ष भर चलेगा जन-जागरूकता अभियान

नरसिंहपुर। देश में 15 अगस्त 1947 को देश की आजादी के बाद तैयार किया गया संविधान 26 नवम्बर 1949 को अपनाया गया था। इसके बाद देश में 26 जनवरी 1950 को संविधान लागू किया गया था। संविधान को अपनाने के 75 वर्ष पूरे होने पर संविधान की जानकारी के प्रति जन-जागरूकता के लिये 26 नवम्बर 2024 से वर्ष भर चलने वाला हमारा संविधान-हमारा स्वाभिमान अभियान चलाने का निर्णय लिया गया है। इस संबंध में संसदीय कार्य विभाग ने शासन के समस्त विभागाध्यक्ष, संभागीय आयुक्त और कलेक्टर्स को पत्र जारी कर निर्देश जारी किये हैं। अभियान के दौरान जन-सामान्य को संविधान की प्रस्तावना, संविधान का निर्माण और देश के संविधान पर गर्व करने जैसे बिंदुओं पर मुख्य रूप से जानकारी दी जायेगी। इसी दौरान जन-समुदाय के बीच में संविधान पर केन्द्रित कार्यक्रम भी आयोजित किये जायेंगे। वर्ष भर की गतिविधियों को एक डिजिटल प्लेटफार्म पर लाने के लिये वेबसाइट भी तैयार की गई है। वेबसाइट में गतिविधियों की तस्वीरें और वीडियो अपलोड किये जा सकेंगे। इस अभियान में युवाओं और स्कूल के बच्चों को अधिक से अधिक जोड़ने के लिये एक अन्य वेबसाइट पर संविधान विषय पर निबंध, प्रश्नोत्तरी एवं पोस्टर प्रतियोगिता की तस्वीरें साझा की जा सकती हैं।

स्थापना दिवस पर आयोजन

संविधान के स्थापना दिवस 26 नवम्बर 2024 को मुख्य कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा। इस कार्यक्रमों में जन-प्रतिनिधि नागरिकों के बीच संविधान की प्रस्तावना को पढ़ेंगे। इसी दिन प्रदेश भर की ग्राम पंचायतों में भी सामुहिक रूप से संविधान प्रस्तावना का वाचन किया जायेगा। ग्राम पंचायतों को बाबा साहेब डॉ. बी.आर. अंबेडकर के योगदान का प्रचार करने के लिये महाभारत स्वयं सेवकों के माध्यम से संविधान स्वाभिमान यात्राएं आयोजित किये जाने के लिए भी कहा गया है। यह यात्राएं अनुसूचित जाति -अनुसूचित जनजाति घनत्व वाली आबादी में विशेष रूप से हो। यात्रा के दौरान बाबा साहेब की प्रतिमाओं पर पुष्पांजलि अर्पित की जायेगी। ग्राम सभाओं में संविधान के अनुच्छेद-51 (ए) में नागरिकों के मौलिक कर्त्तव्यों को पढ़कर सुनाया जायेगा। इस संबंध में संयुक्त कलेक्टर नरसिंहपुर ने जिले के सभी जिला प्रमुखों को संविधान दिवस के संबंध में कार्यालय एवं शैक्षणिक संस्था में कार्यक्रम आयोजन संबंधी आवश्यक कार्यवाही करने के लिए कहा है।

एक दिवसीय आनंद कार्यशाला का होगा आयोजन

नरसिंहपुर। जिले में शासकीय कर्मचारियों में आनंद की अनुभूति कराने तथा उनकी दैनंदिनी कार्यों में सकारात्मकता का भाव बढ़ाने की दृष्टि के लिए एक दिवसीय अल्पविराम प्रत्येक विकासखंड स्तर पर अलग- अलग दिनांकों में कार्यशाला का आयोजन प्रात 10 बजे से सायं 5 बजे तक किया जायेगा। यह कार्यशाला में शिक्षा, स्वास्थ्य, राजस्व, पंचायत, कृषि, वन विभाग, पुलिस विभाग आदि के कुल 60 अधिकारी- कर्मचारी के लिए होगी। एक दिवसीय अल्पविराम परिचय कार्यशाला विकासखंड चांवरपाठा में 27 नवम्बर को, विकासखंड चीचली में 28 नवम्बर को, विकासखंड सांईखेड़ा में 29 नवम्बर को, विकासखंड गोटेगांव में 4 दिसम्बर को, विकासखंड करेली में 5 दिसम्बर को एवं विकासखंड नरसिंहपुर में 6 दिसम्बर को संबंधित जनपद सभागार में आयोजित होगी। प्रत्येक विकासखंडों में आयोजित होने वाली कार्यशाला में 10 पंचायत सचिव, 10 रोजगार सहायक, 10 आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, 10 आशा कार्यकर्ता, 10 जनशिक्षक, 5 नगरीय निकाय, जनपद, वन विभाग, 3 पुलिस विभाग एवं 2 कृषि विभाग सहित कुल 60 प्रतिभागी शामिल होंगे। इस संबंध में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत नरसिंहपुर ने कार्यशाला के संबंध में सभी अनुविभागीय राजस्व अधिकारियों व जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही के लिए कहा है। उन्होंने कार्यशाला में प्रोजेक्टर, पर्दा, साउंड सिस्टम एवं प्रतिभागियों के लिए चाय, स्वल्पाहार, भोजन एवं प्रशिक्षण सामग्री पेन, नोटबुक, फाईल आदि की व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए कहा है। इस संबंध में विस्तृत रूपरेखा के लिए जिले के मास्टर ट्रेनर श्रीमती मुक्ति राय से संपर्क किया जा सकता है।

राजस्व महाअभियान 3.0 के तहत प्रकरणों का हो रहा निराकरण

हरिभूमि न्यूज़ - नरसिंहपुर। राजस्व महाअभियान 3.0 के तहत जिले में कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले के निर्देशन में राजस्व विभाग के अधिकारी- कर्मचारी राजस्व महाअभियान को सफल बनाने के लिए कैंपों का आयोजन किया जा रहा है। कैम्पों के माध्यम से राजस्व संबंधित प्रकरणों के निराकरण किये जा रहे हैं। राजस्व महाअभियान 3.0 के तहत नामांतरण, बंटवारा, अभिलेख दुरुस्ती, सीमांकन, नक्शा अद्यतन, आधार से आरओआर खसरे की लिंकिंग, फार्मर रजिस्ट्री व परंपरागत रास्तों का चिन्हांकन के कार्य किये जा रहे हैं। राजस्व महाअभियान 3.0 के अंतर्गत नामांतरण के 463, बंटवारा के 45, अभिलेख दुरुस्ती के 8, सीमांकन के 31, नक्शा अद्यतन के एक हजार 529, आधार से आरओआर खसरे की एक हजार 452 की लिंकिंग का कार्य किया जा चुका है। वहीं दूसरी ओर 5 हजार 890 फार्मर रजिस्ट्री और 3 परम्परागत रास्तों का चिन्हांकन किया जा चुका है। जिले में नामांतरण 52.91 प्रतिशत, बंटवारा 35.71 प्रतिशत, अभिलेख दुरूस्ती 11.11, सीमांकन 50.82 प्रतिशत और परंपरागत रास्तों का 37.50 प्रतिशत की उपलब्धि हासिल की है। राजस्व महाअभियान 3.0 के तहत जिले में नामांतरण के 463 प्रकरणों का निराकरण किया जा चुका है, जो 52.91 प्रतिशत है।

भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ा नाली निर्माण, कुछ माह पूर्व निर्मित नाली टूटी विकास में फिसड्डी साबित हो रही ग्राम पंचायत

गोटेगांव

जनपद पंचायत के अंतर्गत ग्राम पंचायत बौछार भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ा नाली का निर्माण कार्य,विगत कुछ समय पूर्व ग्राम बौछार में ग्राम पंचायत के माध्यम से नाली का निर्माण किया गया था,जिसमें निर्माण के बाद कुछ ही समय में नाली का एक हिस्सा टूट कर पापड़ की तरह बिखर गया है,इससे नाली निर्माण में हुए घटिया निर्माण की पोल खुल गई।इस नाली के निमार्ण में लोहा की सरिया का इस्तेमाल नहीं हुआ,निर्माण कार्य में घटिया सामग्री का भरपूर उपयोग किया गया, जिसके परिणाम स्वरुप कुछ ही दिनों बाद नाली का यह हश्र हुआ,नाली का निर्माण सीधे तरह से धागा लगाकर नहीं हुआ, जिससे लापरवाही के कारण नाली नागिन की तरह आड़ी तिरछी बल खाती हुई बनाई गई है। कुल मिलाकर नाली निर्माण में जिस गुणवत्ता से कार्य किया जाना था उस हिसाब से कार्य नहीं हुआ है। नाली की दोनों पट्टी कहीं पर पतली तो कहीं पर तिरछी ढलाई कर दी गई,तय मोटाई के हिसाब से नाली निर्माण नहीं हुआ।नाली का निर्माण नागिन की तरह बलखाते हुआ नाली का निर्माणकार्य उक्त नाली का निर्माण करीब एक दो महीने पहले हुआ था। नाली निर्माण का कार्य तय मोटाई के हिसाब से नहीं किया गया,ग्रामवासी बताते हैं कि इस नाली में सीसी कंक्रीट ढलाई के समय नाली के निचले हिस्से की मोटाई कम रखी गई ताकि मटेरियल कम लगे और मुनाफा कमाया जा सके, और ऊपर हिस्से की मोटाई बढ़ा दी जिससे नाली की पट्टी भर-भर कर गिर गई।स्वच्छता का माखौल उडाती ग्राम पंचायतवहीं ग्राम पंचायत स्वच्छता अभियान की धजिया उड़ती नजर आ रही है,सड़कों के किनारे जगह-जगह गंदगी बज-बजा रही है।दीवार पर लिखा स्लोगन पंचायत को मुंह चिढ़ा रहा है जिसमें गांधी जी के स्वच्छता का संदेश दृष्टिगोचर हो रहा है।आखिर ग्राम पंचायत के द्वारा ग्रामों के विकास में आने वाला फंड कहां जा रहा है जन चर्चा है कि गांव के विकास के लिए आए हुए रुपयों का कहीं बंदरबांट तो नहीं हो रहा है जिससे यह ग्राम पंचायत विकास के नाम पर पिछड़ती ही जा रही है।ग्रामीणों ने निर्माण कार्य की जांच की मांग ग्रामीणों का कहना है कि इस नाली के निर्माण में मानकों की अनदेखी की गई, और बिना सरिया के निर्माण किए जाने से नाली कमजोर हो गई। इससे न केवल सरकारी धन का दुरुपयोग हुआ है, बल्कि ग्रामीणों को जल निकासी में भी समस्या का सामना करना पड़ रहा है।स्थानीय लोगों ने अधिकारियों से इस मामले की जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों का आरोप है कि संबंधित विभाग ने निर्माण कार्य के दौरान निगरानी नहीं की, जिसके चलते ठेकेदार ने मनमानी करते हुए घटिया सामग्री का इस्तेमाल किया।अब यह देखना होगा कि प्रशासन इस समस्या को कितनी गंभीरता से लेता है और आगे क्या कार्रवाई करता है।

शिक्षक पर प्राणघातक हमला करने वाला आरोपी गया जेल

तेंदूखेड़ा विगत दिनों चांवरपाठा विकास खंड के अंतर्गत आने वाले ग्राम पदम केसली में प्राथमिक शाला में पदस्थ शिक्षक सतीश पिता सियाराम रिछारिया पर गांव के ही पन्ना लाल उर्फ पन्नी नोरिया पिता भोपाल सिंह नोरिया के द्वारा कुल्हाड़ी से प्राण घातक हमला किया गया था शिक्षक ने अपने बचाव के लिए दोनों हाथों से कुल्हाड़ी पकड़ ली थी अन्यथा कोई भी अप्रिय घटना घटित हो सकती थी। दोनों हाथों में गंभीर चोटें आईं थीं काफी खून भी बह गया था। घटना को अंजाम देकर आरोपी फरार हो गया था।इस घटना को लेकर शिक्षक संगठनों ने भी घटना की निंदा करते हुए आरोपी को तत्काल पकड़कर शीघ्र गिरफ्तार करने की मांग की थी। चूंकि उक्त घटना तेंदूखेड़ा थाना क्षेत्र की होने के साथ शनिवार को इसकी विधिवत रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। तेंदूखेड़ा पुलिस ने टीम गठित कर आरोपी को शनिवार की रात में ही गिरफ्तार कर लिया है वहीं उसके खिलाफ बी एन एस की धारा 115-2 118-1 296 351-2 तथा पीड़ित की गंभीर स्थिति को देखते हुए 307 प्राणघातक हमला की धाराओं के तहत रविवार को ही जेल भेज दिया है। गौरतलब रहे कि इस घटना को लेकर जहां छात्रों का भविष्य गढ़ने वाले शिक्षकों में भय का वातावरण बना हुआ था वहीं उनकी सुरक्षा को लेकर तरह-तरह के सवाल खड़े हो रहे थे। आरोपी गिरफ्तार होने के बाद से शिक्षकों ने राहत की सांस ली है।

लाखों रुपए से निर्मित छात्रावास भवन हुआ बेकार खिड़की दरवाजे ले गए चोर, जर्जर भवन शराबियों की शरण स्थली बना

गोटेगांव

स्थानीय नगर के सिमरिया रोड बाईपास के पास स्थित छात्रावास भवन वर्षों से बेकार पड़ा हुआ है एवं अधीक्षक भवन की हालत जर्जर हो गई है। छात्रावास भवन मे पहले बकरियां बांधी जाती थी लेकिन उनके जाने को उपरांत यह स्थल शराबियों का अड्डा बन चुका है, लेकिन शासन-प्रशासन द्वारा इन भवनों की देखरेख करते हुए इन्हें उपयोगी बनाने कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है।शासकीय ठाकुर निरंजनसिंह महाविद्यालय भवन का निर्माण करने के लिए गोटेगांव से सिमरिया रोड पर श्मशान घाट से कुछ ही दूरी पर मौजूद तालाब की जमीन दान में मिली थी।

यह भूमि महाविद्यालय के नाम से राजस्व रिकार्ड में मौजूद है। इस हिस्से में महाविद्यालय के छात्रों के लिए छात्रावास का निर्माण किया गया था। वहीं इससे लगी सरकारी भूमि पर आदिवासी बालक छात्रावास भवन एवं अधीक्षक भवन का निर्माण किया गया था। जहां पर कुछ वर्षों तक आदिवासी बालक छात्रावास संचालित होता रहा। वहीं महाविद्यालय के छात्रावास कक्षों में भी आदिवासी बालक छात्रावास के बच्चे निवास करते रहे। मगर धीरे-धीरे उक्त दोनों भवन जर्जर हो जाने पर यहां से आदिवासी बालक छात्रावास को गोटेगांवखेड़ा ग्राम पंचायत में विस्थापित कर दिया गया है। जब से यहां से आदिवासी बालक छात्रावास के बच्चे गए हैं। तब से उक्त दोनों भवन पूरी तरह से खंडहर हो गए हैं। इन भवनों के अंदर लगा हुआ सामान खिड़की,दरवाजे चोरी हो गए।यह सरकारी भवन खंडहर होने के बाद यहां पर अनैतिक कृत्य, नशा करने वाले करते रहे। अब यह स्थल नशेड़ियों का अड्डा बन गया है बदहाल कमरों के अंदर पड़ी हुई शराब की बोतलें स्वयं गवाही दे रही हैज्यादातर समय इस भवन का इस्तेमाल बकरियां चराने वाले करते हैं,यह दोनों छात्रावास अय्याशी शराब खोरी करने वालों का स्थान बन चुके हैं। परंतु स्थानीय प्रशासन कुंभकरण की निद्रा में सोया हुआ है वहीं इस महत्वपूर्ण महाविद्यालय की जगह पर समुचित उपयोग करने की दिशा में कोई पहल नहीं की जा रही है। इस तालाब की जमीन समतल हो गई थी, मगर इस पर अवैध खुदाई होने से कुछ स्थल पर बारिश का पानी फिर से भरने लगा है। इसी जमीन पर पिछले साल मुख्यमंत्री का हेलीकॉप्टर भी उतरा था। इस महाविद्यालय की जमीन के इर्द-गिर्द बायपास सड़क निकलने पर किनारे की जमीन पर कुछ लोग कब्जा करने की फिराक में लगे हुए हैं।भूमि वा तालाब को सुरक्षित करे स्थानीय प्रशासनस्थानीय प्रशासन शासकीय ठाकुर निरंजनसिंह महाविद्यालय की भूमि को सुरक्षित करने की दिशा में कदम उठाए। वहीं स्थल का पानी सूखने के बाद इस पर अवैध खुदाई करने का प्रयास करते हैं उनको रोकने की दिशा में कदम उठाएं , ताकि यह सरकारी जमीन पूरी तरह से सुरक्षित रह सके, क्योंकि इस भूमि की उपयोगिता बायपास सड़क के निकलने पर भारी बढ़ चुकी है। यहां पर नए सिरे से महाविद्यालय भवन का निर्माण करवाया जाए जिसके लिए दानदाता ने उक्त भूमि को दान किया था। प्रशासन द्वारा भवन की उचित देखरेख कराकर सही उपयोग किया जाए तो सार्थक पहल होगी।

संजू चौहान गोटेगांव नरसिंहपुरः मानेगांव टिगडा के पास दिनदहाड़े काटी जा रही सट्टा पट्टी

गोटेगांव तहसील में थाना ठेमी क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम मानेगांव तिगड़ा से कुछ दूरी पर बिजली आफिस के पास सटोरिया द्वारा दिनदहाड़े सट्टा पट्टी काटी जा रही है, इसके पूर्व में ठेमी पुलिस के द्वारा उक्त सटोरिया का प्रकरण भी बनाया गया था, उसके बाद भी दिनदहाड़े सटोरिया द्वारा बिजली आफिस के पास सटा खिलाएं जाना अपराध को बढ़ावा दिए जाने का सब बन रहा है,इस तरह दिनदहाड़े एक के 80 का व्यापार फल फूल रहा है,जिससे शासन प्रशासन पर सवालिया निशान खड़े हो रहे हैं,आसपास की नौजवान पीढ़ी इनका आसान शिकार बन रहे हैं जिससे उनका भविष्य और परिवार दोनो बर्बाद हो रहा है। लगातार यह मामला क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है,सबसे बड़ा सवाल यह है इन सट्टा माफिया पर आखिर कब कार्यवाही की जाएगी या फिर मामले को ले-देकर निपटा दिया जाएगा।

समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन के लिए केन्द्र निर्धारित

गोटेगांव -तहसील क्षेत्र में समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी का कार्य पंजीकृत किसानों से 2 दिसम्बर 2024 से 20 जनवरी 2025 तक किया जाएगा जिसमें गोटेगांव के लिए श्री शक्ति वेयर हाउस गुंदरई- मेख हेतु प्राथमिक सहकारी समिति मर्यादित बरहेटा, श्री कृष्णा स्टोरेज रहली कमोद हेतु प्राथमिक सहकारी समिति मर्यादित कमोद,शिव शक्ति एग्रो पिडरई गोहचर हेतु प्राथमिक सहकारी समिति मर्यादित इमलिया- कामती, शैल वेयर हाउस 2 श्रीनगर हेतु आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था श्रीनगर, यादव वेयर हाउस उमरिया हेतु आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था उमरिया, हरिओम वेयर हाउस गर्रा रोड हेतु सेवा सहकारी समिति करेली कला,अन्नपूर्णा वेयर हाउस श्रीनगर हेतु प्राथमिक सहकारी समिति मर्यादित मेख,जयश्री वेयर हाउस लाठगांव हेतु प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित सिवनी बंधा एवं पदमावती वेयर हाउस सुकरी- कुंडा हेतु सेवा सहकारी समिति लाठगांव को खरीदी स्थल बनाया गया है।